राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 22 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-183 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गिरफ्तारी या 30 दिन हिरासत पर पीएम-सीएम का पद जाएगा

5 साल+ सजा वाले अपराध में लागू होगा, सरकार बिल लाई

विपक्ष का विरोध,लोकसभा में जमकर हंगामा,जेपीसी को भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में 3 बिल पेश किए। इसमें यह प्रावधान है कि प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या कोई भी मंत्री किसी ऐसे क्राइम में अरेस्ट या 30 दिन की हिरासत में रहता है, जिसकी सजा 5 साल या उससे ज्यादा हो तो उसे पद छोड़ना पड़ेगा। ये तीनों बिल हैं...गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल 2025। 130वां संविधान संशोधन बिल 2025। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025। तीनों विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने तीनों बिलों को वापस लेने की मांग की। विपक्ष ने गृह मंत्री के ऊपर कागज के गोले फेंके। कांग्रेस और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने विरोध जताया। सपा ने बिलों को न्याय विरोधी, संविधान विरोधी बताया। इस पर शाह ने बिलों को संयुक्त संसदीय समिति

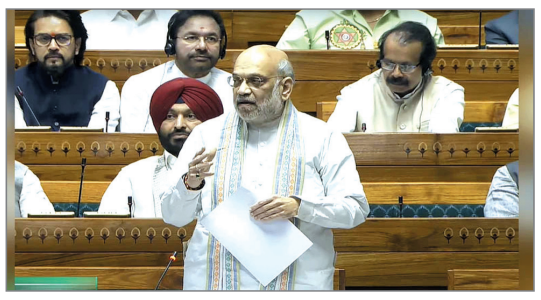

को भेजने की मांग की। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने 6 महीने और तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने 241 दिनों तक हिरासत और जेल में रहने के बाद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था। केजरीवाल तो पद पर रहते गिरफ्तार होने वाले पहले सीएम थे। केंद्र सरकार के मुताबिक, अभी केंद्र शासित प्रदेशों में गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए यह जरूरी हैं।

मैंने गिरफ्तारी से पहले दे दिया था अपने पद से इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने तीन बिल पेश किए। इसमें कंस्टीट्यूशन अमेंडमेंट बिल 2025 भी पेश किया। इस बिल का विपक्षी सांसद जोरदार विरोध कर रहे हैं। इसी दौरान केरल के अलझुपा से कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि जब अमित शाह गुजरात के गृह मंत्री थे अपने ऊपर आरोप लगने के बाद भी नैतिकता का पालन नहीं किया था। उनके इस आरोप पर शाह बिफर गए और उन्हें पूरी बात बताई। दरअसल, संविधान संशोधन विधेयक 130 का विरोध में कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल बोल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने आरोप लगाए कि जब अमित शाह गुजरात के गृह मंत्री थे तो उन्होंने नैतिकता का पालन नहीं किया था। इसी बात पर अमित शाह ने वेणुगोपाल को घेर लिया। वेणुगोपाल को टोकते हुए अमित शाह अपनी जगह से उठे। उन्होंने कहा कि मुझे सुनो जरा, मुझे सुनो ना.. पहले बैठ जाओ। उन्होंने कहा कि मैं रिकॉर्ड साफ करना चाहता हूं कि मुझ पर झूठे आरोप लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि मैंने नैतिकता के मूल्यों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सीएम हाउस में हमला

- सिर पर लगी गंभीर चोट,आरोपी गुजरात का है रहने वाला
- बड़ा है दावा- बंगले की रेकी की, सीसीटीवी में भी दिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार सुबह सीएम आवास में जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ। दिल्ली सीएम ऑफिस ने बयान में कहा, आज जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पर हमला किया। उसे दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ की जा रही है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा- आरोपी ने सीएम का हाथ पकड़कर खींचा। वे मेज के कोने से टकराईं। सिर पर चोट आई है। मीडिया में चल रही थप्पड़ वाली बात गलत है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी पर अटेम्प्ट टू मर्डर (हत्या की कोशिश) का केस दर्ज किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी को आज ही कोर्ट में

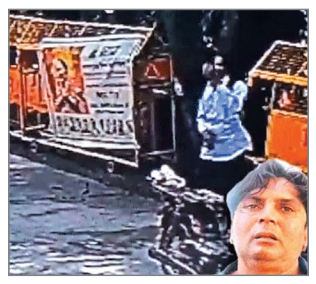

पेश भी किया जाएगा। आरोपी का नाम राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया (41) है। वह गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने दावा किया है कि आरोपी 24 घंटे से सीएम की रेकी कर रहा था। इधर, घटना के बाद दिल्ली के मुख्य सचिव और कई मंत्री रेखा गुप्ता का हालचाल जानने सीएम हाउस पहुंचे।

देश का सबसे चौड़ा सिक्स लेन पुल,यहां नीचे चलेंगे जहाज

- बिहार में गंगा नदी पर बना, पीएम 22 अगस्त को करेंगे उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 अगस्त को गंगा नदी पर बने बिहार के पहले सिक्स लेन पुल औंटा (मोकामा)-सिमरिया (बेगूसराय) का उद्घाटन करेंगे। यह पुल उत्तर बिहार और पटना के बीच सीधा संपर्क स्थापित करेगा। यह देश का सबसे चौड़ा सिक्स लेन पुल है। औंटा-सिमरिया पुल की

चौड़ाई 34 मीटर है, जो सामान्य छह लेन पुल (29.5 मीटर) से 4.5 मीटर अधिक है। इसकी वजह से एक साथ ज्यादा वाहन आसानी से गुजर सकेंगे। पथ निर्माण विभाग के मुताबिक, यह देश के सबसे चौड़े सिक्स लेन पुलों में शामिल है। यह एक एक्सपैंशन केबल ब्रिज है, जिसके नीचे से बड़े मालवाहक जहाज भी गुजर पाएंगे। एप्रोच रोड सहित पुल की कुल लंबाई 8.150 किमी है, जबकि गंगा पर मुख्य पुल की लंबाई 1.865 किमी है। इस प्रोजेक्ट पर 1871 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसकी परिकल्पना पथ निर्माण विभाग के पूर्व प्रधान सचिव और मौजूदा मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में इसकी घोषणा की थी।

एनसीईआरटी ने ऑपरेशन सिंदूर पर मॉड्यूल जारी किया

- क्लास 3-12 के सप्लीमेंट्री मटेरियल में किया गया है शामिल
- लिखा-पहलगाम हमला पाक सेना-नेताओं के आदेश पर हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर एनसीईआरटी (नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग) ने दो स्पेशल मॉड्यूल जारी किए हैं। इन्हें क्लास 3 से 12 तक के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री मटेरियल के तौर पर शामिल किया गया है। मॉड्यूल में बताया गया है कि पाकिस्तान भले ही पहलगाम आतंकी हमले में किसी भी तरह से शामिल होने से इनकार करता है, लेकिन यह हमला पाकिस्तान की सैन्य और राजनीतिक लीडरशिप के सीधे आदेश पर हुआ था। ये मॉड्यूल स्कूली बच्चों के बीच भारत की सैन्य शक्ति के बारे में जागरुकता बढ़ाने के मकसद से बनाए गए हैं। क्लास 3 से 8 के लिए मॉड्यूल का टाइटल ऑपरेशन सिंदूर-वीरता की गाथा और 9 से 12 तक के लिए मॉड्यूल का टाइटल ऑपरेशन सिंदूर- सम्मान और बहादुरी का मिशन है। एनसीईआरटी के स्पेशल मॉड्यूल रेगुलर कोर्स का हिस्सा नहीं होते। इसे कोई खास टॉपिक बच्चों को समझाने के लिए सप्लीमेंट्री मटेरियल के तौर पर तैयार किया जाता है।

इंदौर टू काठमांडू...

सुलझ गई वकील अर्चना तिवारी की 'मिसिंग मिस्ट्री'

भोपाल (एजेंसी)। अर्चना तिवारी को लेकर पुलिस भोपाल आ गई है। इसके बाद रेल एसपी राहुल लोढ़ा ने मीडिया से बात की है। इस मामले में कोई लव एंगल नहीं सामने आया है। अर्चना तिवारी शादी

तय होने की वजह से नाराज थी और घर से भाग गई। इस मामले में दो लोगों ने उसकी मदद की थी। एक सारांश जोगचंद है, जो ड्रोन का बिजनेस करता है। एसपी ने कहा कि परिवार के लोग शादी का दबाव बना रहे थे लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं थी। इसे लेकर परिवार में बहसबाजी भी हुई थी। दरअसल, अर्चना तिवारी सिविल जज की तैयारी के साथ-साथ कोर्ट में प्रैक्टिस भी करती थी। छह अगस्त को वह केस के सिलसिले में हरदा गई थी। हरदा के पास ही एक ढाबे पर अर्चना तिवारी, सारांश जोगचंद और तेजिंदर सिंह ने प्लानिंग की थी। वहां पर इन लोगों ने प्लान किया कि हमें कैसे भागना है। इसके बाद अर्चना ने चलती ट्रेन से भागने का फैसला किया ताकि लोग समझें कि मिसिंग है। वह खुद भी वकील थी और जानती थी कि जीआरपी में केस दर्ज होगा। पुलिस के अनुसार इस केस में शामिल तेजिंदर एक ड्राइवर है। तेजिंदर सारांश के जरिए ही अर्चना तिवारी को जानता था। इस दौरान उसने ही बताया कि इटारसी रेलवे स्टेशन पर कैमरे नहीं हैं।

अहमदाबाद में 10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या

- 8वीं क्लास के स्टूडेंट ने दिया है वारदात को अंजाम
- भीड़ ने प्रिंसिपल और स्टाफ को पीटा,जमकर उत्पात

अहमदाबाद (एजेंसी)। सेवंथ डे एडवांटीज चर्च स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्र की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। स्कूल के 8वीं कक्षा के छात्र ने ही हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया। इस हत्याकांड के बाद स्कूल के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। देखते ही देखते भीड़ ने स्कूल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। भीड़ ने स्कूल स्टाफ को भी पीटा। पुलिस ने इस मामले में आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया। इसके बावजूद लोगों में गुस्सा है। उनका कहना है कि स्कूल प्रशासन

के खिलाफ भी केस दर्ज हो उन्हें भी गिरफ्तार किया जाए। वहीं इस पूरे मामले में पुलिस ने बयान दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी छात्र ने इस वारदात को क्यों कैसे अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, झगड़ा एक हफ्ते पहले पीड़ित के चचेरे भाई और आठवीं कक्षा के छात्र के बीच हुई कहासुनी से शुरू हुआ था।

मऊ एमएलए अब्बास अंसारी की नहीं जाएगी विधायकी

- भड़काऊ भाषण मामले में हाईकोर्ट ने रद्द की 2 साल की सजा

मऊ (एजेंसी)। यूपी की मऊ सदर सीट से सुभासपा विधायक और मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत मिली है। भड़काऊ भाषण के मामले पर उनकी विधायकी नहीं जाएगी। निचली अदालत के फैसले पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। एमपी-एमएलए कोर्ट की तरफ से 2 साल की सजा को उच्च अदालत ने रद्द कर दिया है।

इसका मतलब है कि अब मऊ सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अब्बास अंसारी को सजा का फैसला रद्द कर दिया है। इस बारे में 30 जुलाई को फैसला सुरक्षित रखा गया था। अब उनकी विधायक की बहाल हो जाएगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हेट स्पीच के मामले में हुई सजा स्थगित कर दी थी। आज इसका फैसला न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है। उल्लेखनीय है कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से एमएलए रहे अंसारी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य सरकार के अधिकारियों को परिणामों की धमकी दी थी।

श्री गणेशाय नमः

पुतिन के दूत का बड़ा ऐलान,एस-400 पर भी दिया जवाब

भारत के आयरन डोम 'सुदर्शन चक्र' में मदद करेगा रूस !

- रूसी डिप्लोमेट ने दिल्ली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा-श्री गणेश करें

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस ने मंगलवार को भारत के साथ अपने रणनीतिक संबंधों की मजबूती पर फिर से जोर दिया है और कहा है, कि अगर पश्चिमी देश आपकी आलोचना कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप कुछ अच्छा कर रहे हैं। रूस के सीनियर डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने कहा कि रूसी हथियार भारत के लिए स्वाभाविक पसंद हैं। हम रक्षा क्षेत्र में पसंदीदा साझेदार हैं...किसी भी प्रयास का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। वहीं, मॉस्को से नई दिल्ली की लगातार कच्चे तेल के आयात को लेकर अमेरिका और पश्चिमी देशों की तरफ से होने वाली आलोचना को सिरे से खारिज कर दिया है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि रूस भारत का पसंदीदा साझेदार बना हुआ है। जब रूसी राजदूत से भारत के आयरन डोम के बारे में

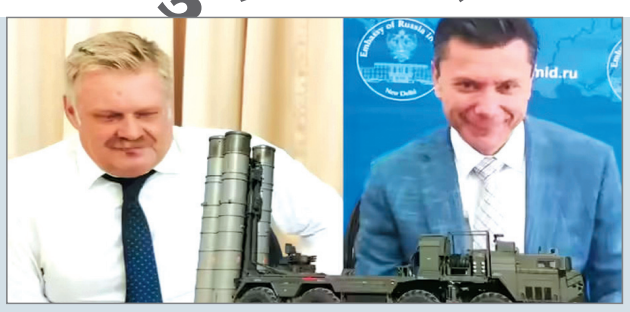

पूछा गया तो उन्होंने तुरंत पूछा, आपका मतलब सुदर्शन चक्र से है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे हिंदी में बेहतर जवाब दे सकते हैं। सुदर्शन चक्र... उन्होंने ऐसा इसलिए बोला है, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जिस एस-400 यूनिट का इस्तेमाल किया था, उसका नाम भी सुदर्शन चक्र यूनिट था।

रूस ने भारत पर अमेरिकी टैरिफ की आलोचना की

इसके अलावा रूसी राजनयिक ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हाल ही में हुई फोन कॉल का हवाला देते हुए कहा, कि यह मॉस्को की रणनीतिक गणना में भारत के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन द्वारा प्रधानमंत्री मोदी जी को हाल ही में की गई फोन कॉल, जिसमें उन्होंने यूक्रेन के हालिया घटनाक्रमों के बारे में जानकारी साझा की और उन्हें समझाया, इसका मतलब है कि रूस के लिए भारत बहुत मायने रखता है। हम आपसी संतुष्टि के लिए कोई भी समाधान निकालने में सक्षम हैं। हमारी साझेदारी का गहरा होना हमें साथ-साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा...। इसके अलावा रूसी तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी टैरिफ को लेकर भी रूसी राजनयिक ने सख्त रुख अपनाया। अमेरिका और यूरोप की ओर से भारत को रूस से तेल खरीदना कम करने को लेकर मिल रही धमकियों पर बाबुश्किन ने कहा कि अगर पश्चिमी देश आपकी आलोचना करते हैं, तो इसका मतलब है कि आप सही दिशा में हैं। इसके अलावा उन्होंने साफ किया कि रूस, भारत की मुश्किल परिस्थितियों को समझता है और किसी भी चुनौती के बावजूद हम प्रभावित नहीं होंगे।

भारत पर प्रतिबंध का मकसद रूस पर दबाव बनाना

- अमेरिका बोला-इससे यूक्रेन जंग रोकने में मिलेगी मदद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लीविट ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इससे पहले तक ट्रम्प प्रशासन रूस से तेल लेने पर भारत के खिलाफ की गई आर्थिक कार्रवाई को पैनल्टी या टैरिफ बताता रहा है। ट्रम्प ने भारत पर अब तक कुल 50 टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसमें 25 फीसदी रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर 25 फीसदी पैनल्टी है। रेसीप्रोकल टैरिफ 7 अगस्त से लागू हो गया है, जबकि पेनल्टी 27 अगस्त से लागू होगी। लीविट के मुताबिक इसका मकसद रूस पर सेकेंडरी प्रेशर डालना है, ताकि वह युद्ध खत्म करने पर मजबूर हो। उन्होंने कहा- लीविट ने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक संघर्ष को रोकने में ट्रम्प ने अहम भूमिका निभाई थी। प्रेस सेक्रेटरी के मुताबिक ट्रम्प ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल कर इस संघर्ष को खत्म कराया। लीविट ने कहा कि ट्रम्प ने अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच पीस डील कराई। साथ ही रवांडा और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के बीच संघर्ष खत्म करने में मदद की। व्हाइट हाउस के मुताबिक, फिलहाल ट्रम्प का सबसे ज्यादा ध्यान रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास जंग को खत्म कराने पर है। ट्रम्प पहले भी कई बार भारत-पाक संघर्ष को खत्म कराने का श्रेय खुद को दे चुके हैं। ट्रम्प ने सोमवार देर रात (भारतीय समयानुसार) व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने इस बातचीत को सफल बताया। वहीं जेलेंस्की ने कहा कि यह अब तक की उनकी सबसे अच्छी बातचीत रही। हालांकि, इस दौरान रूस-यूक्रेन के बीच सीजफायर पर सहमति नहीं बनी। ट्रम्प ने कहा कि

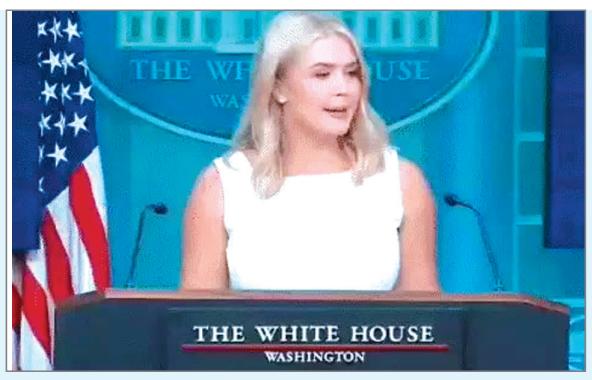

फिलहाल इतनी जल्दी सीजफायर संभव नहीं है। मीटिंग में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर चर्चा हुई। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय देश मिलकर इस पर काम करेंगे। ट्रम्प ने मीटिंग रोककर पुतिन से फोन पर 40 मिनट बात की। इस दौरान पुतिन ने रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच सीधे बातचीत का समर्थन किया। यह बातचीत अगले 15 दिन के भीतर होगी। मीटिंग के बाद जेलेंस्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि यूक्रेन सुरक्षा गारंटी के बदले यूरोप के पैसों से 90 अरब डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपए) के अमेरिकी हथियार खरीदेगा। पुतिन और ट्रम्प ने पिछले हफ्ते 15 अगस्त को देर रात अलास्का में मुलाकात की थी। उनके बीच यूक्रेन जंग खत्म करने पर करीब 3 घंटे मीटिंग हुई। इसके बाद दोनों नेताओं ने सिर्फ 12 मिनट की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप की पाठशाला में नतमस्तक यूरोपीय नेता

पीएम मोदी जिनसे बेहिचक गले मिलते हैं, उनमें से एक हैं फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों। मैक्रों ने भी जिनेवा को एक संभावित स्थल के रूप में सुझाया है, और इसे तटस्थ स्थान बताया है। क्या भारत 'तटस्थ स्थल' नहीं है? ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर ने वियना की लंबी परंपरा का हवाला देते हुए शांति वार्ता की मेज़बानी की पेशकश की। क्रिश्चियन स्टॉकर के कार्यालय ने कहा, कि हम पुतिन की भागीदारी को अनुमति देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय से संपर्क करेंगे। नाटो का सदस्य तुर्की भी, 'मान न मान मैं तेरा मेज़बान' बनने को व्याकुल है।

फ्रांसीसी-पोलिश भू-अर्थशास्त्री डैनियल फ्रूबर्ट ने एक्स पर कहा कि 'यूरोपीय संघ ने यूरोप को अर्थहीन बना दिया है।' फ्रुबर्ट ने कहा, 'यूरोपीय नेता बड़ी संख्या में वाशिंगटन पहुंचे। अपनी बात कहने के लिए बेताब। वे साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि याचिकाकर्ता के रूप में आए थे, एक ऐसे व्यक्ति के शब्द का इंतज़ार कर रहे थे जिसके पास अब सारे पत्ते हैं।'

व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर एक तस्वीर को जिसने भी देखा, जुगुप्सा से भर गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ओवल ऑफिस के सिंहासन पर विराजे हुए। उनके गिर्द यूरोप के प्रमुख नेता इस अंदाज़ में बैठे दिख रहे हैं, गोया पाठशाला चल रही हो। इसे सत्ता का 'शर्मनाक खेल' बताया गया, जिससे वैश्विक एकता के प्रदर्शन पर ग्रहण लग गया है। इस कवायद को अमेरिकी चौधराहट का विकृत रूप कहिये। ब्रिटिश ऑनलाइन समाचार पत्र, 'द इंडिपेंडेंट' के अनुसार, 'सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने कहा, कि ट्रंप के रेज़ोल्यूट डेस्क के सामने वाली कुर्सियों पर यूरोपीय नेताओं के बैठने की व्यवस्था देखकर ऐसा लगा जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति 'अनियंत्रित स्कूली बच्चों' के एक समूह की मेज़बानी कर रहे हों।'

सोमवार को, ट्रंप ने पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की की मेज़बानी की, और फिर यूक्रेन संकट के समाधान के हवाले से व्हाइट हाउस में सात यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में ट्रंप, ज़ेलेंस्की, ब्रिटेन के सर कीर स्टारमर, फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों, इटली की जियोर्जिया मेलोनी, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़, फ़िनलैंड के अलेक्जेंडर स्टब, नाटो महासचिव मार्क रूट, और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन देयर लेयेन शामिल थीं। जर्मन मीडिया के अनुसार, 'यूरोपीय नेता ज़ेलेंस्की के चारों ओर एक सुरक्षात्मक अर्धवृत्ताकार घेरे में बैठे थे, वो यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक थे कि ओवल ऑफिस में एक और अपमान न हो, और ट्रांस-अटलांटिक गठबंधन कायम रहे।'

ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन पॉलिसी सेंटर में यूरोपीय और वैश्विक मामलों के निदेशक अल्मुट मोलर ने एक ईमेल के ज़रिये रिएक्ट किया, 'यह एक ऐसी बैठक थी, जहां यूरोपीय लोगों को अपनी एकता और दृढ़ संकल्प दिखाने का मौका मिला। यूरोप शक्तिहीन नहीं है।' लेकिन ठीक से देखा जाये, तो इसमें यूरोप-अमेरिकी सुप्रीमेसी झलक रही थी। दुनिया को यह बताना था, कि ट्रांस-अटलांटिक मसलों को कोई एशियाई-अफ्रीकी नेता नहीं सुलझाएगा। पीएम मोदी तो जैसे अप्रासंगिक हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 से 23 अगस्त 2024 के बीच पोलैंड एवं यूक्रेन की यात्रा पर गए थे। तब ट्रंप, अमेरिकी चुनाव में व्यस्त थे। लेकिन, शायद उन्होंने तय कर लिया था, कि यूक्रेन की शांतिवार्ता का श्रेय किसी एशियाई नेता को नहीं मिलना चाहिए।

वर्ष 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से कीव की यात्रा करने वाले मोदी पहले भारतीय नेता बन गए। मोदी की कीव यात्रा ने ग्लोबल सुर्खियां बटोरी थी। शांतिदूत के रूप में मोदी की भूमिका, यूरोपीय नेताओं के गले से नीचे नहीं उतर रही थी। गुज़रे सोमवार को व्हाइट हाउस ने उन प्रमुख यूरोपीय नेताओं से घिरे ट्रंप की तस्वीर पोस्ट करते हुए, इसे 'एक ऐतिहासिक दिन' बताया, और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति 'शांति के राष्ट्रपति' हैं। यह ज़बरदस्ती और बेशर्मी भरा सन्देश है, कि 'पीस प्रेसिडेंट' को 'नोबेल पीस प्राइज़' चाहिए। यह सारा प्रपंच उसी के वास्ते है। हालांकि, एक्स प्लेटफ़ॉर्म पर कुछ भू-राजनीतिक पर्यवेक्षकों और नेटिज़न्स ने माना कि ट्रंप की मेज के सामने बैठे यूरोपीय नेताओं की यह नई तस्वीर 'शर्मिंदगी और अपमान' के क्षण का संकेत देती है। इस तस्वीर पर टिप्पणी करते हुए, फ्रांसीसी-पोलिश भू-अर्थशास्त्री डैनियल फ्रूबर्ट ने एक्स पर कहा कि 'यूरोपीय संघ ने यूरोप को अर्थहीन बना दिया है।' फ्रुबर्ट ने कहा, 'यूरोपीय नेता बड़ी संख्या में वाशिंगटन पहुंचे। अपनी बात कहने के लिए बेताब। वे साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि याचिकाकर्ता के रूप में आए थे, एक ऐसे व्यक्ति के शब्द का इंतज़ार कर रहे थे जिसके पास अब सारे पत्ते हैं।'

'आई मीम देयर फोर आई एम' नाम के एक अन्य नेटिजन ने एक्स पोस्ट की गई तस्वीर पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'इतिहास हमारे सामने घटित हो रहा है! यूरोपीय नेता राष्ट्रपति ट्रंप की मेज के चारों ओर बैठे हैं। यक़ीन नहीं हो रहा कि ये लोग इतने क्षुद्र हो सकते हैं।' एक स्तंभकार अभिषेक ने एक्स पर कहा कि 'ट्रंप भारत से नाराज़ क्यों हैं? क्योंकि यूरोपीय नेता असंभव स्तर का अपमान सह रहे हैं। इतालवी प्रधानमंत्री, जर्मन चांसलर, फ्रांसीसी राष्ट्रपति... सभी प्रिंसिपल के कार्यालय में बच्चों की तरह बैठे हैं... लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी का इस तरह बैठना असंभव है।' ऐसी टिप्पणी पर कैसे तार्किक मानें?

लेकिन मुश्किल पुतिन के साथ है। अलास्का में ट्रम्प से मुलाक़ात को पुतिन ने शेयर किया, लेकिन वो भी खुलकर नहीं कहते कि शांतिवार्ता भारत के किसी लोकेशन में हो। क्यों आखिर? पुतिन के लिए, भारत में शांति वार्ता तो सबसे सुरक्षित है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) का गिरफ़्तारी वारंट जारी है। आरोप है कि पुतिन ने यूक्रेनी बच्चों को रूस में अवैध रूप से स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। गैर-नाटो सदस्य स्विट्ज़रलैंड और ऑस्ट्रिया ने कहा है कि वे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ संभावित शिखर सम्मेलन के लिए पुतिन की मेज़बानी के लिए तैयार हैं। स्विट्ज़रलैंड के विदेश मंत्री इग्नाज़ियो कैसिस ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति शांति सम्मेलन के लिए यात्रा कर रहा है, तो संघीय सरकार अंतर्राष्ट्रीय गिरफ़्तारी वारंट के तहत किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है।

पीएम मोदी जिनसे बेहिचक गले मिलते हैं, उनमें से एक हैं फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों। मैक्रों ने भी जिनेवा को एक संभावित स्थल के रूप में सुझाया है, और इसे तटस्थ स्थान बताया है। क्या भारत 'तटस्थ स्थल' नहीं है? ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर ने वियना की लंबी परंपरा का हवाला देते हुए शांति वार्ता की मेज़बानी की पेशकश की। क्रिश्चियन स्टॉकर के कार्यालय ने कहा, कि हम पुतिन की भागीदारी को अनुमति देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय से संपर्क करेंगे। नाटो का सदस्य तुर्की भी, 'मान न मान मैं तेरा मेज़बान' बनने को व्याकुल है। पिछली द्विपक्षीय रूस-यूक्रेन वार्ता इस्तांबुल में हुई थी। डबल गेम खेलने वाला तुर्की दावा करता है, कि हम मास्को से अधिक मैत्रीपूर्ण संबंधों को निभा रहे हैं।

व्हाइट हाउस ने अब तक पोलिटिको की उस रिपोर्ट पर आधिकारिक रूप से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि वह पुतिन, ज़ेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की त्रिपक्षीय बैठक के लिए बुडापेस्ट को स्थल के रूप में विचार कर रहा है। लेकिन व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने मंगलवार को समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया, कि दोनों नेताओं ने हंगरी की राजधानी में शिखर सम्मेलन आयोजित करने की संभावना पर चर्चा की थी। पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने यूक्रेन के लिए निरंतर समर्थन की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। यह सारी कवायद, 'जैसी बही बयार, पीठ तब तैसी कीजिये', वाली है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संपादकीय

पानीगढ़ चंडीगढ़

मंगलवार को सिटी ब्यूटीफुल के एक हिस्से में, जो जमकर बदरा बरसे, उसे देख अमंगल सी आहट हुई। देश के जिस नियोजित शहर की पहले कस्में खाई जाती थीं। जिसकी जल निकासी व्यवस्था की मिसालें दी जाती। जिसकी खूबसूरती को लेकर तमाम गीत लिखे गए। वहां कुछ घंटों की बारिश ने शहर को पानी-पानी कर दिया। वहां पानी में कारें डूबती नजर आईं। सड़कों पर जाम नजर आए। कई अंडरपास लबालब थे। राहगीर सोचने लगे आखिर चंडीगढ़ कैसे आशिकी करेगा? दुहाई दी गई कि शहर में मध्यमार्ग के पूर्वी हिस्से में 35 एमएम की बारिश से हाल-बेहाल हुए। कहा गया कि दिन में तापमान बढ़ने से अधिक नमी के बीच लोकल क्लाउड बना और अप्रत्याशित बारिश हुई। लेकिन सवाल यह है कि फ्रांसीसी वास्तुकार ली कॉर्बूजिए की योजनाएं क्यों विफल हुई? हर साल जो वॉटर ड्रेनेज सिस्टम की सफाई के टेंडर दिए जाते हैं, उससे जलनिकासी का संकट क्यों दूर नहीं हुआ? दलील दी जा रही हैं कि पानी का प्रवाह अप्रत्याशित था,जो ड्रेनेज सिस्टम की क्षमता से अधिक था। सवाल यह है कि जब पूरे देश में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बदलाव साफ नजर आ रहा है, तो उसके मद्देनजर तैयारियां क्यों नहीं की गई? सवाल है कि दो राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश की राजधानी चंडीगढ़ में बैठी अधिकारियों की फौज क्यों आने वाले समय की चुनौतियों के मुकाबले के लिए रीति-नीतियां तैयार नहीं करती? हमें कल की नहीं, परसों के हिसाब से नीतियां बनाने की जरूरत होती है। विदेशों में पचास-सौ साल के लक्ष्य निर्धारित करके योजनाएं बनती हैं। मगर हम इस मामले में फिसड्डी नजर आते हैं। विडंबना है कि हाल के वर्षों में सिटी ब्यूटीफुल कहे जाने वाले चंडीगढ़ के लोक-प्रशासन में वो संवेदनशीलता अधिकारी वर्ग में नजर नहीं आ रही है, जो इसकी विशिष्टता को बनाए रख सके। जगह-जगह सड़कों की हालात खराब है। तमाम स्थानों पर सड़कों पर पैच लगे हैं,ऐसा पहले नहीं दिखता था। निस्संदेह, चंडीगढ़ के शासन-प्रशासन में कहीं तो खोट है, जो शहर देश में स्वच्छ व खूबसूरत शहरों की दौड़ में लगातार पिछड़ता जा रहा है। यही वजह है कि अब सिर्फ बोर्डों में सिटी ब्यूटीफुल नजर आता है। देश के इस पहले नियोजित शहर में इतनी अपार संभावनाएं हैं कि देश में यह साफ-सफाई, जल-निकासी व खूबसूरती में हमेशा अव्वल आ सकता है। लेकिन न तो शासन-प्रशासन के स्तर पर और ना ही स्थानीय नगर निगम के स्तर पर कोई ऐसी मुहिम चली है। नागरिक स्तर पर कोई बड़ा अभियान नहीं चला है। कमोबेश, यही स्थिति कचरे के निस्तारण को लेकर भी है। इसमें दो राय नहीं कि चंडीगढ़ जनसंख्या के दबाव से घिरा है। कमोबेश यह स्थिति सारे देश में है। वहीं चंडीगढ़ के आसपास के इलाकों में अधिकृत व अनधिकृत निर्माण तेजी से हुए हैं। जिससे पानी निकासी के जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे भी अवरुद्ध हुए हैं। वहीं नियोजन के स्तर पर आसपास की बस्तियों में जल निकासी को प्राथमिकता नहीं दी गई है। तेजी से बदलते वैश्विक मौसमी परिदृश्य में किसी शहर में अप्रत्याशित तरीके से भारी बारिश की स्थितियां पैदा हो सकती हैं। हाल के वर्षों में रेगिस्तान के इलाके में बाढ़ और बर्फबारी की खबरें आती रही हैं। कुशल शासन-प्रशासन का यही फर्ज होता है कि बुरी से बुरी परिस्थितियों के मद्देनजर विकास योजनाओं का नियोजन करें। यह संकट साल-दर-साल और गहराएगा। कहीं भी बादल फटने जैसी स्थितियां बन सकती हैं। किसी भी मौसम में अतिवृष्टि की स्थितियां पैदा हो सकती है। ग्लोबल वॉर्मिंग को लेकर दुनिया के देशों का जैसा रवैया है, उसके मद्देनजर आने वाले दशक में किसी तरह पर्यावरण अनुकूलन की स्थितियां बनती नजर नहीं आ रही हैं।

पहाड़ों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो विकास

हिमालयी श्रृंखला में आपदा

पर्वतीय इलाकों में मैदानी इलाकों की तरह काम नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। ध्यान रखना होगा कि यदि हम प्रकृति की राह में बाधा डालेंगे, तो उसका खमियाजा हमें ही भुगतना होगा। पिछले कुछ वर्षों से हिमालयी क्षेत्र लगातार आपदाओं का सामना कर रहा है—चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो, 2021 की ऋषिगंगा आपदा, 2023 में ल्होनक झील फटना, जोशीमठ का भूधंसाव हो या हालिया बादल फटना और भूस्खलन की घटनाएं। इन आपदाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन, मानसून की अनिश्चितता, अरब सागर की गर्म हवाएं और दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का उत्तर की ओर झुकाव जैसे प्राकृतिक कारण तो हैं ही, सबसे बड़ा कारण प्रकृति में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप है, जिसकी भारी कीमत हमें हर साल भीषण तबाही के रूप में चुकानी पड़ रही है।

वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और शोध लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि पहाड़ों पर अवैज्ञानिक और अनियोजित निर्माण, विस्फोटों से जलविद्युत परियोजनाएं, रेलमार्ग, बेतरतीब खुदाई और नदी-नालों के प्राकृतिक मार्गों में हस्तक्षेप से हम आपदाओं को न्योता दे रहे हैं। दुर्भाग्य से विकास के नाम पर सरकारी लापरवाही का आलम यह है कि संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों में भी बहुमंजिला इमारतों, होटलों और सड़कों का निर्माण अनियंत्रित रूप से जारी है, जो भविष्य के लिए गंभीर खतरा है।

गौरतलब है कि जब धरती की सतह और पहाड़ों को बार-बार खोदा और काटा जाता है, तो बारिश की बूंदें तेजी से बहकर मिट्टी को ढीला कर देती हैं। इससे भूमि की पकड़ कमजोर पड़ती है और आपदाएं, विशेष रूप से भूस्खलन, कई गुना बढ़ जाते हैं। वैज्ञानिक चेता रहे हैं कि जलवायु में आ रहे बदलाव और पहाड़ों पर विकास के नाम पर अंधाधुंध निर्माण विनाश का कारण बन रहा है। आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ऊंचे इलाकों में एक डिग्री तापमान बढ़ने पर वर्षा की तीव्रता 15 फीसदी बढ़ जाती है। जब गर्म समुद्री हवा भारी नमी लेकर हिमालय से टकराती है तब पहाड़ उसे रोकते हैं। इससे क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनते हैं जो 50,000 फीट ऊंचाई तक जा सकते हैं और जब ये फटते हैं तो भीषण तबाही लाते हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और डीआरडीओ के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर हर वर्ष औसतन 15 मीटर तक पीछे हट रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में यह दर 20 मीटर से अधिक है। गंगा बेसिन में ग्लेशियर 15.5 मीटर, इंडस बेसिन में 12.7 मीटर और ब्रह्मपुत्र बेसिन में 20.2 मीटर प्रति वर्ष की गति से पीछे खिसक रहे हैं। दरअसल, जब ग्लेशियर पिघलते हैं, उसके नीचे की जमीन अस्थिर होती जाती है। पिघलती बर्फ, दरकती चट्टानें और अचानक बनने वाली झीलें सबसे बड़ी चिंता का विषय हैं। रिपोर्ट की मानें तो साल 2018 तक कराकोरम और हिन्दूकुश जैसे इलाकों में 127 बड़े ग्लेशियर संबंधित भूस्खलन रिकॉर्ड हुए हैं। हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड, हिमाचल, सिक्किम सहित कुल 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला है। मानसून के दौरान यह क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहता है। इसकी जटिल भौगोलिक बनावट, नाजुक पारिस्थितिकी और बदलती जलवायु स्थितियां इसे और अधिक जोखिमग्रस्त बनाती हैं।

यह आपदाएं आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचे और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। चूंकि इस क्षेत्र में अधिकांश नदियां संकरी घाटियों से होकर बहती हैं, इसलिए बादल फटने या ग्लेशियर झील के फटने के कारण तेज बहाव के साथ बड़ी मात्रा में बोल्डर सहित मलबा भी बह जाता है। परिणामस्वरूप नदियों के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

विशेषज्ञ भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय इलाकों में जारी विकास परियोजनाओं से प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में पानी के तेज बहाव के कारण धौलीगंगा नदी में एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कर्मचारियों पर चट्टानें और मलबा आ गिरा, जिससे 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। गौरतलब है कि हिमालयी इलाके में बरसों से जारी खनन से नदी तल का क्षरण हो रहा है। इसके चलते नदियां सूख रही हैं, नतीजतन बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ रहा है। यही नहीं खनन से निकलने वाले रसायन मिट्टी और पानी को प्रदूषित करते हैं। खनन से वन्य जीवों के आवास खत्म हो रहे हैं, जिससे जैव विविधता को काफी नुकसान हो रहा है। खनन से जहां लोग अपने घरों से विस्थापित हो रहे हैं, वहीं स्थानीय लोगों की आजीविका, कृषि और पर्यटन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तथा पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक दोनों तरह के खतरे पैदा हो रहे हैं।

ध्यान रखना होगा कि हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखला है। भूगर्भीय दृष्टिकोण से यह अभी भी अधपका है और निरंतर बदलाव के दौर से गुजर रहा है। यह जानते-समझते हुए भी हम वहां बेतहाशा कंक्रीट का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें नदियों के जलग्राही क्षेत्रों को भी नहीं छोड़ा गया है। जब हम वहां जाकर बसेंगे तो भूस्खलन, बाढ़, हिमस्खलन, भूकंप और बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाएं तो आएंगी ही।

प्रकृति की संवेदनशीलता के प्रति हमें अत्यंत सतर्क और संवेदनशील होना होगा। यदि हम प्रकृति से खिलवाड़ करेंगे, तो निश्चित है कि ऐसी आपदाओं का सामना लगातार करना पड़ेगा। हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र में भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से पूर्वसूचना प्रणाली पर तत्काल कार्य करना आवश्यक है।

यहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाना चाहिए, यह समझते हुए कि पर्वतीय इलाकों में मैदानी इलाकों की तरह काम नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। ध्यान रखना होगा कि यदि हम प्रकृति की राह में बाधा डालेंगे, तो उसका खमियाजा हमें ही भुगतना होगा।

लेखक पर्यावरणविद् हैं।

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नज़र सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नज़र लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं।

सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

विचार मंथन

ऑनलाइन गेम्स पर पाबंदी को लेकर फड़वाजों में हड़कंप

(लेखक - सनत जैन)

लोकसभा में बुधवार को ऑनलाइन गेमिंग बिल पास हो गया है। इस बिल के पास हो जाने के बाद ऑनलाइन गेमिंग के फडबाजों में हड़कंप मच गया है। ऑनलाइन गेमिंग के शिकार करोड़ों लोग थे, बच्चों से लेकर बड़े तक ऑनलाइन गेमिंग में 80000 करोड रुपए से ज्यादा की राशि हर साल गंवा रहे थे। कई युवा और बच्चों ने आत्महत्या कर ली। हजारों लोगों की नौकरी छूट गई, हजारों लोग गबन और चोरी के आरोप में जेल चले गए। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का लगातार दबाव सरकार पर पड़ रहा था। अंतोगत्वा सरकार को जनमत के दबाव में निर्णय लेना पड़ा। इस बिल के पास हो जाने के बाद भी ऑनलाइन गेमिंग को सरकार ईमानदारी के साथ बंद करेगी? जो बिल केंद्र सरकार ने पास किया है उसके अनुसार अब ऑनलाइन मनी ट्रांसफर नहीं हो सकेगी! जो कंपनियां इस तरह का कारोबार करेंगी] उनके लिये बिल में गैर जमानती अपराध का प्रावधान किया गया है। विज्ञापनों पर रोक लगा दी गई है, क्रिकेटर, फिल्मी सितारे और सेलिब्रिटीज जो विज्ञापन करते थे, अब वह नहीं कर पाएंगे। सरकार ने जो बिल पास किया है, उसमें ऑनलाइन मनी ट्रांसफर ऑनलाइन गेम्स के प्लेटफार्म से नहीं होगी। ऑनलाइन गेम को सरकार ने दो श्रेणियां में बांटा है। एक ई स्पोर्ट्स के रूप में है, इसमें किसी तरह से पैसे का लेनदेन नहीं होता है। दूसरी मनी गेम्स के रूप में है, मनी गेम्स को पूरी तरह से सरकार ने इस बिल में प्रतिबंधित कर दिया है। नियमों का उल्लंघन करने पर गेम खिलाने वाले प्लेटफार्म पर 3 साल की सजा या एक करोड रुपए तक के जुर्माना से दंडित किए जाने का प्रावधान रखा गया है। विज्ञापन देने पर 2 साल की कैद और 50 लाख का जुर्माना तथा मनी ट्रांसफर की सुविधा देने वाले बैंक या कंपनी के ऊपर एक करोड़ का जुर्माना और 3 साल कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से रियल मनी ट्रान्सफर गेमिंग प्लेटफार्म नहीं चलाये जा सकेंगे। यदि कोई व्यक्ति गेम खेलते हुए पकड़ा जाता है, पहले उसे अपराधी माना जाता था। अब उसे पीड़ित मानते हुए दोषी कंपनी पर कार्रवाई की जाएगी। अभी जो बिल पास हुआ है, इसके नियम और उप नियम बनने बाकी हैं। इस बिल को लागू होने में कुछ समय लगेगा। इसके पहले ही ऑनलाइन कंपनी के प्लेटफार्म चलाने वाले फड़बाज तेजी के साथ सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहना शुरू कर दिया है, 400 से ज्यादा कंपनियां ऑनलाइन गेमिंग के कारोबार में लगी थी। इसमें 2 लाख से ज्यादा लोग काम कर रहे थे। सरकार के इस निर्णय से लगभग 2 लाख लोगों की नौकरी चली जाएगी। 25000 करोड़ का निवेश खतरे में पड़ जाएगा। सरकार को 20000 करोड रुपए का जीएसटी में नुकसान होगा। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों द्वारा इस बिल प्रावधान में जो नियम बनेंगे उसमें दखलंदाजी के लिए बड़े स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। बिल तो पास हो गया है लेकिन नियम और कानून इस तरह से बनाए जाएं, ताकि यह धंधा चोरी छुपे चलता रहे।, इसकी कोशिशें भी शुरू हो गई हैं। ऑनलाइन स्पोर्ट्स गेम को लेकर बड़े स्तर पर कारोबार हो रहा था। इस कारोबार में बड़े-बड़े राजनेता, सेलिब्रिटी, खिलाड़ी, फिल्मी अभिनेता, मी डिया, पु लिस भी शामिल थी। गेम बंद होने के कारण इन्हें भारी नुकसान होगा। यह सभी अपने प्रभाव का उपयोग सरकार के ऊपर कर नियम किस तरह के बने उसको लेकर दबाव बनाने का प्रयास शुरू कर दिया है। ताकि उनका कारोबार चोरी छुपे चलता रहे। जुए के इस खेल में फड़बाज ही पैसे कमाता है। खिलाड़ी हमेशा हारता है। भले ही खिलाड़ी जीत जाये, लेकिन उस जीत पर फड़बाज अपना हिस्सा काट लेता है। ऑनलाइन गेम में भी जो प्लेटफार्म हैं, वह इस तरीके की व्यवस्था करते हैं कि खिलाड़ी हमेशा खेल मैं जीतने के बाद भी नुकसान में हारता रहता है। सरकार ने हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट और जनता के दबाव में ऑनलाइन गेम्स को बंद करने के लिए बिल पास कर लिया है। आशंका है, नियम और उप नियम बनाने के दौरान इसमें बड़े पैमाने पर सरकार और अ धिका रियों की मिलीभगत से कोई बड़ा खेल हो सकता है। सरकार यदि ईमानदारी से इस तरह के कारोबार को रोकना चाहती है, जनता को आ र्थिक लूट से बचाना चाहती है। इसके लिए उसे जनहित में नियम बनाने होंगे। आमतौर पर देखने को मिलता है, सरकार जो कानून बनाती है, उसमें कई बट किन्तु जैसे प्रावधान कर देती है, जिसके कारण लोग कानून को तोड़ने का रास्ता निकाल लेते हैं। सरकार डाल-डाल और अपराधी पात-पात के रास्ते पर चलकर हमेशा सरकार के आगे रहते हैं। सरकार ने ऑनलाइन गेम्स को लेकर जो बिल पास किया है, उस कानून का ठीक तरीके से पालन हो, इस बात का ध्यान रखने की जरूरत है। इसके पहले भी कई कानून लॉटरी और जुए को रोकने के लिए बन चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृषि व ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 0.77 एवं 1.01 फीसदी हुई

नई दिल्ली । श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2025 में कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति दर में गिरावट दर्ज की गई। कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर घटकर 0.77 प्रतिशत रही, जबकि जून में यह 1.42 प्रतिशत थी। इसी प्रकार ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह दर जुलाई में 1.01 प्रतिशत रही, जो जून में 1.73 फीसदी थी। मंत्रालय के मुताबिक, कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) जुलाई में 1.23 अंकों की वृद्धि के साथ 135.31 पर पहुंच गया। वहीं ग्रामीण श्रमिकों का सीपीआई 1.30 अंक बढ़कर 135.66 हो गया। खाद्य सूचकांक की बात करें तो, इसमें भी वृद्धि दर्ज की गई। कृषि श्रमिकों के लिए 1.94 अंक और ग्रामीण श्रमिकों के लिए 2.16 अंक की बढ़ोतरी हुई। हालांकि सूचकांक में बढ़ोतरी हुई, लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट देखने को मिली। जुलाई 2025 में कृषि श्रमिकों के लिए यह दर (-)1.56 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों के लिए (-)1.13 प्रतिशत रही, यानी खाद्य वस्तुओं के दामों में औसतन गिरावट आई। इन सूचकांकों को आधार वर्ष 2019=100 के अनुसार तैयार किया गया है और यह आंकड़े देश के 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 787 गांवों से जुटाए गए हैं। गिरती मुद्रास्फीति दर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए राहत का संकेत मानी जा रही है।

दिसंबर तक सोना 3,600 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान- वेंचुरा सिक्योरिटीज

- भारत में खुदरा निवेश और केंद्रीय बैंकों की खरीद से सोने की मांग मजबूत बनी रहेगी

नई दिल्ली । वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अपने नवीनतम अनुमान में कहा है कि वैश्विक आर्थिक प्रतिकूलताओं, भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत निवेश मांग के चलते दिसंबर 2025 तक कॉमेक्स सोने की कीमतें 3,600 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। यह कीमत 7 अगस्त को रिकॉर्ड 3,534.10 डॉलर के उच्च स्तर के और भी ऊपर होगा। अमेरिका की कमजोर आर्थिक वृद्धि, अमेरिकी डॉलर सूचकांक पर दबाव, व्यापार तनाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम सोने की कीमतों में अस्थिरता और वृद्धि का मुख्य कारण बने हैं। 2025 की दूसरी तिमाही में सोने की वैश्विक मांग 3 फीसदी बढ़कर 1,249 टन हो गई, जिसका मूल्य 132 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में 45 फीसदी अधिक है। विशेष रूप से, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेश प्रवाह काफी मजबूत रहा है। जून 2025 तक वैश्विक गोल्ड ईटीएफ होल्डिंग 16 फीसदी बढ़कर 3,616 टन हो गईं, जबकि प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 64 फीसदी बढ़कर 383 अरब डॉलर हो गईं। भारत में भी गोल्ड ईटीएफ का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें होल्डिंग 42 और निवेशक खाते 41 फीसदी बढ़े हैं। वेंचुरा के एक अे धिकारी ने कहा कि मुद्रास्फीति के दबाव, डॉलर की कमजोरी और फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के चलते सोने की कीमतों में निरंतर वृद्धि की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में खुदरा निवेश और केंद्रीय बैंकों की खरीद से सोने की मांग मजबूत बनी रहेगी। युवा पीढ़ी डिजिटल गोल्ड, ईटीएफ और आंशिक स्वामित्व जैसे नए निवेश विकल्पों को अपनाकर सोने में निवेश की दिशा बदल रही है, जबकि भौतिक आभूषणों की मांग भी बनी हुई है। ऐसे में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी और निवेशकों की भागीदारी दोनों ही बढ़ने की उम्मीद है।

रियल मनी गेम्स बैन के खिलाफ गेमिंग इंडस्ट्री ने लगाई गुहार

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ऑनलाइन स्किल गेमिंग संगठनों ने एक संयुक्त पत्र लिखकर भारत में सभी प्रकार के` रियल मनी गेम्स (आरएमजी) पर प्रस्तावित पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ हस्तक्षेप की मांग की है। उद्योग ने चेतावनी दी है कि इस कदम से 400 से अधिक कंपनियां बंद हो सकती हैं और करीब 2 लाख से अधिक नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। द ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ), द ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) और द फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटसी स्पोर्ट्स ने कहा है कि इस तरह का प्रतिबंध उद्योग के लिए 'सफाए की घंटी साबित होगा। उन्होंने गृह मंत्री से इस मसले पर बैठक का भी अनुरोध किया है। इन संगठनों का मानना है कि यदि वैध कंपनियां बंद होती हैं तो अवैध विदेशी जुआ संचालक और मटका नेटवर्क जैसे असुरक्षित और गैरकानूनी मंचों को बढ़ावा मिलेगा। इससे लाखों भारतीय उपयोगकर्ता असुरक्षित प्लेटफॉर्म की ओर मुड़ सकते हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 50 करोड़ गेमर्स हैं और यह क्षेत्र 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित कर चुका है। इस उद्योग की प्रमुख कंपनियों में ड्रीम11, जंगली गेम्स, मोबाइल प्रीमियर लीग, हेड डिजिटल वर्क्स और नजारा टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। सरकार ने हाल ही में एक मसौदा विधेयक तैयार किया है, जिसमें सभी ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित लेनदेन को बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव है। उद्योग का कहना है कि इससे राज्य और केंद्र दोनों के कर राजस्व में कमी आएगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था के प्रधानमंत्री मोदी के 1 लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य को भी ठेस पहुंचेगी। ऑनलाइन स्किल गेमिंग संगठनों का आग्रह है कि सरकार इस क्षेत्र को प्रतिबंधित करने के बजाय इसके नियमन और सुधार की दिशा में कदम उठाए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.25 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 4 पैसे मजबूत होकर 86.93 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.04 पर खुलने के बाद जल्दी ही 86.93 के शुरुआती उच्च स्तर तक पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव 87.07 से 14 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति की उम्मीदों के चलते वैश्विक बाजारों में जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ी है, जिससे रुपया मजबूती दिखा रहा है। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी बढ़कर 98.30 पर पहुंच गया।

सरकारी रिफाइनरियों ने बढ़ी छूट के चलते रूस से कच्चा तेल खरीदना शुरू किया

- अब छूट बढ़कर लगभग तीन डॉलर प्रति बैरल हुई

नई दिल्ली । सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू कर दी है। भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल ने सितंबर और अक्टूबर डिलीवरी के लिए रूसी कच्चे तेल की खरीद में तेजी लाई है। पिछले कुछ महीनों में रूस के तेल पर मिलने वाली छूट कम होने के कारण घरेलू कंपनियों ने खरीद पर ब्रेक लगा दिया था। हालांकि, अब छूट बढ़कर लगभग तीन डॉलर प्रति बैरल हो गई है, जिससे रूस से तेल खरीदना फिर से आकर्षक हो गया है। रूसी तेल की खरीद पर भारत की रिफाइनरियों द्वारा फिर से जोर देने से चीन के लिए रूस से तेल की आपूर्ति कम होने की संभावना है। जब भारत ने रूस से तेल खरीदना कम किया था, तब चीन ने अपनी खरीद बढ़ा दी थी। भारत ने मुख्य रूप से यूराल्स क्रूड के अलावा वरंडे और साइबेरियन लाइट जैसे अन्य रूसी तेल ग्रेड भी खरीदे हैं। हालांकि, जुलाई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 27 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी और अमेरिका की आलोचना के चलते भारत ने रूस से तेल की खरीद रोक दी थी। लेकिन अब छूट बढ़ने के कारण और कच्चे तेल की कीमतों के लाभ को देखते हुए भारत की सरकारी कंपनियों ने रूसी तेल खरीदना फिर से शुरू किया है। इससे घरेलू तेल बाजार और रिफाइनरियों को कच्चे तेल की बेहतर सप्लाई मिल सकेगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इसका असर दिखाई दे सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 142 , निफ्टी 33 अंक बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इस कारण दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 142.87 अंक बढ़कर 82,000.71 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.20 अंक उछलकर 25,083.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान फार्मा शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। निफ्टी फार्मा इंडेक्स में 0.95 फीसदी की बढ़त देखी गई। वहीं वित्तीय सेवा, आईटी, संपत्ति , निजी बैंक और इन्फ्रा शेयर उछाल के साथ बंद हुए। वहीं ऑटो, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी और कमोडिटीज में गिरावट रही।

लार्जकैप के विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 221.55 अंक या 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ 57,708.95 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 2.05 अंक की मामूली गिरावट के साथ 17,966.35 पर था। सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, बीईएल, टाइटन, मारुति सुजुकी, सन फार्मा, भारती एयरटेल, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स शेयर सबसे अधिक लाभ में थे। पावर ग्रिड, इटरनल (जोमैटो), एचयूएल, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, एमएंडएम, एसबीआई, टाटा स्टील, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर गिरे।

वहीं व्यापक बाजार का रुख मिला जुला था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,094 शेयर हरे निशान में और 2,000 शेयर लाल निशान में और 154 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजारों की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सेंसेक्स 362.62 अंक चढ़कर 82,220.46 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 91.45 अंकों की बढ़त के साथ 25,142 पर कारोबार कर रहा था। निवेशकों की नजर आज जारी होने वाले भारत के विनिर्माण और सेवा पीएमआईफ्लैश आंकड़ों पर टिकी है, जो देश की आर्थिक गति का संकेत देंगे। इसके अलावा जीएसटी प्रणाली में सुधार, रूस-यूक्रेन शांति वार्ता में प्रगति और भारत-चीन संबंधों में नरमी जैसे घटनाक्रमों ने भी बाजार की धारणा को मजबूत किया है। वहीं वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 0.3 फीसदी गिरा, हांगकांग का हैंग सेंग 0.07 फीसदी नीचे रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 1 फीसदी ऊपर था। अमेरिका में टेक शेयरों में बिकवाली के चलते एसएंडपी 500 और नेस्डैक में गिरावट रही, जबकि डाऊ जोंस लगभग स्थिर रहा।

भारत पर अमेरिकी दबाव के बीच रूस बोला- तेल सौदा बचाने तैयार है खास तंत्र

नई दिल्ली ।

रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर दंडात्मक कार्रवाई करने की धमकी के बावजूद, रूस के पास इस चुनौती से निपटने के लिए एक विशेष तंत्र मौजूद है। बाबुश्किन ने यह बात एक संवाददाता सम्मेलन में कही, जहां उन्होंने भारत और रूस के बीच ऊर्जा, सैन्य उपकरण और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को मजबूती से जारी रहने की उम्मीद जताई। अमेरिका ने हाल ही में भारत के खिलाफ आयात शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने का फैसला किया है, जिससे भारत-अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इस फैसले के तहत यदि भारत रूसी तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे भारी शुल्क देना पड़ सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी इस बात की चेतावनी दी थी कि ट्रंप प्रशासन भारत पर शुल्क बढ़ा सकता है। राजदूत बाबुश्किन ने अमेरिका के इस दबाव को अनुचित बताया और कहा कि रूस भारत का पसंदीदा साझेदार है, खासकर सैन्य उपकरणों की आपूर्ति में। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत-रूस के बीच ऊर्जा सहयोग और भी मजबूत होगा और दोनों देश मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। इस बयान से स्पष्ट है कि रूस भारत के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और अमेरिका के दंडात्मक कदमों के बावजूद, दोनों देशों के बीच साझेदारी को कमजोर नहीं होने देगा। ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में यह सहयोग दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है और दोनों पक्ष इस रिश्ते को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

स्टारलिंक भारत में ग्राहकों के लिए आधार प्रमाणीकरण का करेगा इस्तेमाल

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपने उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब भारत में स्टारलिंक अपने ग्राहकों को जोड़ने से पहले उनके पहचान सत्यापन के लिए आधार' प्रमाणीकरण का उपयोग करेगी। इस संबंध में हाल ही में एक आधिकारिक बयान जारी किया गया। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, स्टारलिंक भारत में अपने ग्राहकों को जोड़ने के लिए आधार प्रमाणीकरण प्रक्रिया अपनाएगा। इससे ग्राहक सत्यापन की प्रक्रिया न केवल सुरक्षित होगी, बल्कि यह काफी सुगम और तेज भी हो जाएगी। आधार का उपयोग करने से कंपनी को ग्राहकों की असली पहचान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, जिससे धोखाधड़ी के मामलों में कमी आएगी। भारत में स्टारलिंक की उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा को पहले ही लाइसेंस मिल चुका है। कंपनी ने भारती एयरटेल और रिलायंस जियो जैसी बड़ी टेलिकॉम कंपनियों के साथ भी अपने नेटवर्क विस्तार के लिए करार किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, स्टारलिंक भारत में लगभग 20 लाख से अधिक ग्राहकों को अपनी सेवा से जोड़ने की क्षमता रखती है।

छोटे और मझोले शहरों में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा क्षेत्र में नौकरियां उत्पन्न होंगीः रिपोर्ट

- वित्त वर्ष 2025-26 तक नियुक्तियों में 8.7 और 2030 तक 10 प्रतिशत तक की हो सकती है वृद्धि

मुंबई ।

देश के बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में आने वाले वर्षों में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 तक नियुक्तियों में 8.7 प्रतिशत और 2030 तक 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है, जिससे लगभग 2.5 लाख स्थायी नौकरियां उत्पन्न होंगी। यह वृद्धि खासतौर पर छोटे और मझोले शहरों में बढ़ती मांग के कारण हो रही है, जो परंपरागत रूप से महानगरों पर केंद्रित भर्ती प्रक्रिया में बदलाव का संकेत देती है। कार्यबल समाधान प्रदाता एडेको इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि बीएफएसआई क्षेत्र में अब लगभग 48 प्रतिशत नई नौकरियां छोटे शहरों में पैदा हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में भर्ती 27 प्रतिशत बढ़ी है, खासकर उन उम्मीदवारों के लिए जो स्थानीय भाषा में दक्ष और बिक्री अनुभव रखते हैं। ऐसे उम्मीदवारों को चयन के मौके 2.5 गुना अधिक और वेतन 10-15 प्रतिशत तक ज्यादा मिल सकता है। बैंकों ने इस साल बिक्री अधिकारी, डिजिटल उत्पाद प्रबंधक और ऋण जोखिम विश्लेषक जैसी भूमिकाओं में भर्ती बढ़ा दी है। वहीं, वित्त एवं बीमा कंपनियां वित्तीय योजनाकार, निवेश सलाहकार, डिजिटल अंडरराइटर और दावा स्वचालन विशेषज्ञों की मांग तेजी से कर रही हैं। इंदौर, कोयम्बटूर, नागपुर और गुवाहाटी जैसे छोटे शहरों में नियुक्तियों में 15-18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सूरत, जयपुर, लखनऊ और भुवनेश्वर में यह वृद्धि 11-13 प्रतिशत के बीच रही। एडेको इंडिया के निदेशक कार्तिकेयन केसवन के अनुसार, बीएफएसआई क्षेत्र में डिजिटल

निवेशकों के बढ़ने और छोटे शहरों की ओर झुकाव के कारण नियुक्ति का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। म्यूचुअल फंड और वेल्थ मैनेजमेंट कंपनियां इस वृद्धि की अगुआई कर रही हैं। यह बदलाव बीएफएसआई क्षेत्र में करियर बनाने वालों के लिए नए अवसर लेकर आया है।

सेबी की रिपोर्टः पिछले वर्ष प्रवर्तकों के डीमैट खातों में जब्ती की संख्या बढ़ी

बीएसई ने कुल 457 कंपनियों के प्रवर्तकों के खाते फ्रीज किए

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष गैर-अनुपालन के कारण स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा प्रवर्तकों के डीमैट खातों को फ्रीज करने की संख्या में वृद्धि हुई है। बीएसई ने कुल 457 कंपनियों के प्रवर्तकों के खाते फ्रीज किए हैं, जो कारोबार करने वाली कंपनियों के लगभग दसवें हिस्से से अधिक है। बीएसई में कुल 5,452 कंपनियां सूचीबद्ध हैं, जिनमें से 4,463 ने मार्च 2025 तक सक्रिय रूप से कारोबार किया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में 2,720 सूचीबद्ध कंपनियां हैं, जिनमें से 73 कंपनियों के प्रवर्तकों के डीमैट खाते फ्रीज किए गए हैं। वहीं, मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने 263 सूचीबद्ध कंपनियों में से 36 के खाते फ्रीज किए हैं। ये आंकड़े पिछले साल की तुलना में अधिक हैं, हालांकि 2022-23 के मुकाबले कम हैं। सेबी ने गैर-अनुपालन की स्थिति में स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा उठाए जाने वाले दंडात्मक कदमों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया

(एसओपी) जारी की है। इसके तहत पहले जुर्माना लगाया जाता है और चेतावनी दी जाती है, जबकि लगातार नियम उल्लंघन पर ही डीमैट खातों को फ्रीज किया जाता है। इसका उद्देश्य बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करना और दंडात्मक कार्रवाई में पारदर्शिता लाना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार डीमैट खाते फ्रीज करना अंतिम कार्रवाई होती है, जो बताती है कि प्रवर्तक पहले कई बार चेतावनी मिलने के बाद भी नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। यह स्थिति बताती है कि नियामकीय चूक के शुरुआती मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाई। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत के शेयर बाजार में नियमों के पालन और निगरानी को और मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि निवेशकों का भरोसा बना रहे।

रेलटेल को मिले 50 करोड़ के नए प्रोजेक्ट

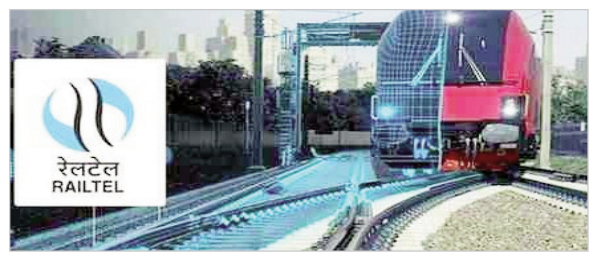

- शेयर प्राइस 400 रुपए से भी नीचे, स्टॉक पर रखें नजर

नई दिल्ली ।

रेलवे मंत्रालय की नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (रेलटेल) को हाल ही में दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट मिले हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 50.42 करोड़ है। ओडिशा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग से कंपनी को 15.42 करोड़ का वेबसाइट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट के तहत विभाग के कॉलेजों के लिए बायलिंगुअल वेबसाइट्स डिजाइन और विकसित की जाएंगी। इस कार्य की समय सीमा 19 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसके अलावा, केरल स्टेट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिशन ने रेलटेल को 34.99 करोड़ के कॉन्ट्रेक्ट के तहत राज्य के डेटा सेंटर्स के संचालन और रखरखाव का कार्य सौंपा है। यह प्रोजेक्ट पांच वर्षों तक चलेगा और इसे 18 अगस्त 2030 तक पूरा किया जाएगा। रेलटेल के शेयर आज 21 अगस्त 2025 को मामूली बढ़त के साथ 359.20 पर बंद हुए। कंपनी का मार्केट कैप 11,528 करोड़ से अधिक है और यह बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स का हिस्सा है। नए प्रोजेक्ट मिलने और मजबूत वित्तीय नतीजों के चलते निवेशकों की नजर रेलटेल पर बनी हुई है। कंपनी ने 28 जुलाई 2025 को पहली` तिमाही` वित्त वर्ष 26 के नतीजे घोषित किए, जिनमें ऑपरेटिंग इनकम 744 करोड़ रही, जो पिछले साल की समान तिमाही से 33 फीसदी अधिक है। कुल राजस्व 758 करोड़ पहुंच गया, जो 31 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। कर पूर्व मुनाफा 89 करोड़ रहा, जिसमें 34 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं, शुद्ध लाभ 66 करोड़ रहा, जो पिछले साल के 49 करोड़ से 35 फीसदी ज्यादा है। इन प्रोजेक्ट और वित्तीय प्रदर्शन के चलते रेलटेल के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री निवेश आकर्षित करने जापान, दक्षिण कोरिया की यात्रा पर

- यात्रा का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाहन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरुवार को जापान और दक्षिण कोरिया की 10 दिवसीय औद्योगिक और निवेश प्रवर्धन यात्रा पर रवाना हो गए। यह मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। यात्रा का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाहन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर के स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे से दिल्ली पहुंचे साय वहां से जापान के लिए प्रस्थान करेंगे। जापान और दक्षिण कोरिया की ये यात्रा छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति के तहत उद्योगपतियों को राज्य में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने का अवसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जापान के ओसाका में आयोजित होने वाले वर्ल्ड एक्सपो 2025 में वह भाग लेंगे। जहां छत्तीसगढ़ अपनी सांस्कृतिक धरोहर और विकास यात्रा का प्रदर्शन करेगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन में मुख्यमंत्री साय को विशेष आमंत्रण भी मिला है। न्होंने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद से राज्य को अब तक 6.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से कई परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो चुका है। इस निवेश से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री जापान और दक्षिण कोरिया के उद्योग जगत से मिलकर छत्तीसगढ़ में व्यवसाय के लिए अनुकूल वातावरण और संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। 31 अगस्त को साय अपने मातृभूमि लौटेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोहित शर्मा क्रिकेट के मैदान पर वापसी को बेकरार, इस टीम के खिलाफ जलवा बिखेरते आ सकते हैं नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब टीम इंडिया को दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा की नीली जर्सी में वापसी का बेसब्री से इंतजार क्रिकेट प्रेमियों को है। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से रोहित शर्मा ने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। लेकिन अब उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभावना ऑस्ट्रेलिया दौरे (19 अक्टूबर से) के दौरान दिखाई दे रही है। हालांकि, रोहित शर्मा इस दौरे से पहले ही एक खास सीरीज में हिस्सा लेने की इच्छा जता चुके हैं, जो कानपुर में खेली जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेलने की इच्छा

टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें भारतीय टीम 3 वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इस वनडे सीरीज के लिए टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के शामिल होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ कानपुर में होने वाली अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने की इच्छा जताई है। ऑस्ट्रेलिया-ए सितंबर में भारत दौरे पर आएगी, जहां वे भारत-ए टीम के साथ दो अनऑफिशियल टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टेस्ट मैच लखनऊ में आयोजित होंगे, जबकि तीनों वनडे मैच कानपुर में खेले जाएंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेलेंगे रोहित?

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि रोहित शर्मा इस अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने के इच्छुक हैं ताकि वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अच्छी तैयारी कर सकें। इसके अलावा खबरें हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज उनके वनडे करियर की आखिरी सीरीज हो सकती है। बीसीसीआई रोहित को दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वे वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखें।

वनडे में रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का वनडे रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। अब तक उन्होंने 273 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें 265 पारियों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं। इसमें उनके 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रन है, जो वनडे इतिहास के सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर में से एक है।

पृथ्वी शॉ ने बुची बाबू में ठोका शतक, चेन्नई से खास कनेक्शन का किया खुलासा

मुम्बई (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने प्रतिष्ठित बुची बाबू ट्रॉफी में महाराष्ट्र के लिए अपने पहले मैच में शतक जड़कर बल्ले से दमदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चेन्नई के आईसी गुरुनानक कॉलेज ग्राउंड में यह उपलब्धि हासिल की और शहर के साथ अपने खास रिश्ते को याद किया। 2018 में अपने पहले टेस्ट शतक के बाद 25 वर्षीय इस खिलाड़ी का करियर असंगत प्रदर्शन, अनुशासनात्मक मुद्दों और फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण पटरी से उतर गया है।

इस साल की शुरुआत में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) ने उन्हें अपनी रणजी टीम से बाहर कर दिया था जिसके बाद शॉ को एक नई शुरुआत की तलाश में महाराष्ट्र जाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) लेना पड़ा। महाराष्ट्र के लिए अपने पहले मैच में पृथ्वी शॉ ने चेन्नई के आईसी गुरु नानक कॉलेज ग्राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 141 गेंदों पर 111 रनों की पारी खेली जिससे उनकी नई टीम को संघर्ष करने का मौका मिला। छत्तीसगढ़ के 252 रनों के जवाब में महाराष्ट्र 217 रन ही बना सका।

चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) द्वारा सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में शॉ ने खुलासा किया कि IPL 2019 में पहली बार चेन्नई में कदम रखने के बाद से ही यह उनके दिल के बहुत करीब रहा है। शॉ ने कहा, 'चेन्नई में गर्मी जरूर है, लेकिन यह वाकई बहुत अच्छा लगता है क्योंकि मैंने यहां हमेशा रन बनाए हैं। मुझे लगता है कि चेन्नई मेरे लिए काफी खास है। चेन्नई में खेलने का मेरा पहला अनुभव शायद IPL 2019 के दौरान था। हम चेपाक में खेले थे। वाकई बहुत अच्छा अनुभव था।'

इतना ही नहीं शॉ ने कहा कि वह महाराष्ट्र के लिए ज्यादा से ज्यादा रन बनाना चाहते हैं, क्योंकि टीम ने उन्हें वापसी का मौका दिया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि (बुची बाबू में खेलना) वाकई एक अच्छा अनुभव है। एक शानदार टूर्नामेंट। रणजी सीजन से पहले, ऐसा होता है। मैंने अभी अपना पहला मैच खेला है और यह एक अच्छा अनुभव है क्योंकि रणजी सीजन शुरू होने से पहले आपको बहुत अच्छा अभ्यास मिलता है। महाराष्ट्र के लिए यह मेरा पहला मैच है, शतक लगाना वाकई खास लगता है। मुझे उम्मीद है कि रणजी ट्रॉफी और आने वाले मैचों तक यह सिलसिला जारी रहेगा।'

बीसीसीआई ने चयन समिति के प्रमुख अगरकर का अनुबंध एक साल बढ़ाया

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद ही बीसीसीआई ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का अनुबंध जून 2026 तक बढ़ा दिया है। अगरकर के चयन समिति प्रमुख बनने के बाद भारतीय टीम ने भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप और इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। अगरकर के कार्यकाल में ही भारतीय टेस्ट टीम भी बेहतर हुई है और उसने साल 2023 विश्व कप के फाइनल में स्थान बनाया था। इन सभी उपलब्धियों को देखते हुए ही अगरकर का अंनुबंध बढ़ाया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल 2025 से पहले ही अगरकर के अनुबंध को बढ़ाने की बात हो गई थी, जिसे मंजूर कर लिया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम को का टेस्ट और टी20 में प्रदर्शन अच्छा रहा। इसी कारण बोर्ड ने उनका अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया है। अगरकर ने भी ये प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। अगरकर के कार्यकाल में ही विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट से संन्यास लिया जिससे भारतीय टीम इन प्रारुपों में दो नये कप्तान मिले। टेस्ट में शुभमन गिल जबकि टी20 में सूर्यकुमार यादव को यह जिम्मेदारी मिली और ये दोनो ही सफल रहे। वहीं रोहित-विराट अब एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं और आने वाले समय में यहां भी बड़े बदलाव हो सकते हैं। देखना है कि इन दोनो को अगले विश्वकप तक के लिए जगह मिलती है या नहीं।

वर्तमान समय में चयन समिति में अगरकर के अलावा एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरत जैसे खिलाड़ी शामिल हैं पर माना जा रहा है कि सितंबर में होने वाली वार्षिक आम सभा की बैठक के बाद चयन समिति में कुछ बदलाव होंगे। शरत के अब चार साल पूरे होने को है। ऐसे में उनकी जगह पर किसी नये व्यक्ति को ये जिम्मेदारी मिल सकती है। बीसीसीआई आगे चलकर नए सिरे से आवेदन आमंत्रित करेगा। तभी तय होगा कि कौर से सदस्य बदले जाते हैं।

एशिया कप में भाग लेने भारतीय टीम को नहीं रोकेंगे : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। खेल मंत्रालय ने गुरुवार को कहा है कि पाकिस्तान से द्विपक्षीय खेल नहीं होंगे, मगर एशिया कप में भारतीय टीम को भाग लेने से रोका नहीं जा सकता है। खेल मंत्रालय ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खेल संबंधों के संबंध में नई नीति जारी की है। सूत्रों के अनुसार यह नीति तुरंत प्रभावी हो गई है।, खेल मंत्रालय की नीति में कहा गया है, पाक से जुड़े खेल आयोजनों में भारत का रवैया उसी व्यापक नीति को दिखाता है जो उस देश के साथ भारत के संबंधों में अपनाई गई है। जहां तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय खेल आयोजनों का सवाल है, तो भारतीय टीम पाकिस्तान में होने वाले मुकाबलों में हिस्सा नहीं लेगी। पाकिस्तान की टीम को भारत में द्विपक्षीय मैच खेलने की अनुमति नहीं पाएंगी।

हालांकि, बहुपक्षीय खेल आयोजनों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मंत्रालय ने कहा, हम भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोकेंगे, क्योंकि यह एक बहुदेशीय प्रतियोगिता है। उन्होंने आगे कहा, पाक को द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, लेकिन बहुपक्षीय आयोजनों में उनकी भागीदारी पर रोक नहीं होगी क्योंकि हम ओलंपिक चार्टर का पालन करेंगे।

इससे एशिया कप में भारतीय टीम के खेलने को लेकर रहा सहा संशय भी समाप्त हो गया है क्योंकि एशिया कप के लिए टीम की घोषणा के बाद से ही इसका विरोध भी तेज हो गया था। प्रशंसकों का मानना था कि क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 14 सितंबर को होने वाले मैच से पीछे हट जाना चाहिए। प्रशंसकों के अनुसार आतंक वाद जारी रहने तक पाक के साथ किसी भी तरह का कोई खेल या कोई भी संबंध नहीं रखना चाहिए। वहीं खेल मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि पाक के साथ द्विपक्षीय खेल मुकाबले नहीं होंगे, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में खेलने से नहीं रोका जाएगा।

भारत के गिरीश ने एशियाई निशानेबाजी में स्वर्ण जीता

शिमकेन । भारतीय निशानेबाज गिरीश गुप्ता ने 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीता है। गिरीश ने 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ इवेंट में 241.3 अंक के साथ ही स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 17 साल के गिरीश ने ये उपलब्धि अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ही हासिल की है। गिरीश ने फाइनल में 241.3 अंक हासिल कर नंबर एक स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के बल पर इस खिलाड़ी ने भारत के लिए एक पदक जीता है। गिरीश ने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ-साथ 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ टीम इवेंट में रजत पदक और मिश्रित युगल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी जीता। इस तरह उन्होंने कुल 2 स्वर्ण और 1 सिल्वर जीते हैं। इस प्रतियोगिता के पहले दिन ही भारतीय टीम ने कुल 2 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीते। गिरीश की सफलता से भारत के अन्य निशानेबाजों को भी प्रेरणा मिली है। गिरीश राजस्थान से हैं। ऐसे में उनकी इस सफलता से प्रदेश में खुशी का महौल है।

एशिया कप के लिए शामिल नहीं किये जाने के बाद श्रेयस ने निराशा जतायी

नई दिल्ली। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर एशिया कप 2025 के लिए टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हैं। श्रेयस ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे उनके चयन की उम्मीदें जतायी जा रही थीं पर ऐसा हुआ नहीं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें श्रेयस का नाम नहीं था। श्रेयस ने इस साल आईपीएल में भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स को उनके दूसरे सत्र के फाइनल में पहुंचाया और 175.07 की शानदार स्ट्राइक रेट से 600 से अधिक रन बनाए। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिलने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने भी नाराजगी जतायी है। टीम चयन के बाद उनका उनकी पहली प्रतिक्रिया आई है। पंजाब किंग्स ने भी इसे साझा किया है। पंजाब किंग्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने कप्तान का ये वीडियो साझा किया। उसने इसे 'सरपंच साब' कैप्शन दिया हैं। श्रेयस को उनके करीबी प्यार से सरपंच साब नाम से बुलाते हैं। वहीं इससे पहले चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा था कि श्रेयस की कोई गलती नहीं थी। अभी टीम में जगह नहीं है इसलिए उसे जगह नहीं मिली। उसे अपने अवसर की प्रतीक्षा करनी होगी। अगरकर ने कहा, 'श्रेयस के बारे में, मेरा कहना है कि उसकी गलती नहीं है, न ही हमारी। बस हमें इस समय 15 खिलाड़ियों का चयन करना है जो हमारे पास हैं। इसलिए उसे अपने मौके का इंतजार करना होगा।' गौरतलब है कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में एक टी20आई मैच खेला था उसके बाद से ही वह जगह का इंतजार कर रहे हैं। वह मध्य क्रम के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं।. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने 30.66 की औसत और 136.12 की स्ट्राइक रेट से 1,104 रन बनाए हैं जिससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलीमा टेटे को मिली कप्तानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को चीन के हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए बृहस्पतिवार को 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बरकरार रखा गया। यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका विजेता 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा। भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा।

टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी और फिर छह सितंबर को जापान से भिड़ेगी। भारत अपना अंतिम पूल मैच आठ सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा। हॉकी इंडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप के लिए हमने जो टीम चुनी है उसे लेकर हम उत्साहित हैं।'

सलीमा पिछले साल कप्तान नियुक्त होने के बाद से टीम का अभिन्न अंग रही हैं।

हरेंद्र ने कहा, 'यह टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है और हमने अनुभवी खिलाड़ियों तथा युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने की कोशिश की है।' उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर होगा और हमारा मानना है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है।'

टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है जिसमें गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम पर होगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी होंगी जिनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थोडम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, सलीमा, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनेलिटा टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं।

अग्रिम पंक्ति में अनुभवी और उभरते सितारों का मिश्रण है जिसमें नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल शामिल हैं। हालांकि अनुभवी खिलाड़ी सविता और सुशीला चानू टीम का हिस्सा नहीं हैं। ये दोनों एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में खेली थी।

महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीम

गोलकीपर: बंसारी सोलंकी, बिचु देवी खारीबाम

डिफेंडर : मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी थोडम, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी

मिडफील्डर : नेहा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, लालरेमसियामी, सुनेलिटा टोप्पो

फारवर्ड : नवनीत कौर, रुतजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, दीपिका और संगीता कुमारी।

फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे

लंदन । फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब फुटबॉल क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। प्रीमियर लीग विजेता लीवरपूल ने ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर एकिटिके से करार किया है। यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ। लिवरपूल ने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की और कहा कि उसने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके के ट्रांसफर के लिए एक करार किया है। क्लब ने कहा कि एकिटिके मेडिकल टेस्ट में पास हो गये हैं और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर भी वह तैयार हैं। अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री-सीजन दौरे पर हांगकांग जा सकेंगे। लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के अनुसार ये चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विर्ट्ज़ को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जरेमी फ्रिमपोंग से भी करार किया। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक गोलों में सहायोग दिया। लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं।

अक्षर को बिना किसी गलती के उपकप्तानी से हटाना निराशाजनक : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बिना किसी गलती के टी20 टीम की उपकप्तानी से हटाना सही नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशिया कप के लिए जो टीम चयनित की है उसमें अक्षर को हटाकर शुभमन गिल को उपकप्तानी दे दी गयी है।कैफ ने टी20 टीम में कुछ महीने पहले तक उपकप्तान रहे अक्षर को पद से हटाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए पूछा है कि उसकी गलती क्या थी? अक्षर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया था। कैफ ने कहा है कि उम्मीद है कि अक्षर को उपकप्तान के पद से हटाने के बारे में पहले बता दिया गया होगा। अक्षर ने कुछ भी गलत नहीं किया था और इसलिए वह जानने का अधिकारी था कि उससे क्यों जिम्मेदारी वापस ली गयी है। अक्षर ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह पक्की की है। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। वह इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। तब उन्होंने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने फाइनल में बल्ले से भी कमाल दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 31 गेंद में 47 रन बनाये थे।

विश्व चैंपियनशिप से पहले होगा सभी महिला मुक्केबाजों का होगा लिंग परीक्षण

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)। ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी की नियामक संस्था 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप में महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली सभी मुक्केबाजों के लिए लिंग परीक्षण अनिवार्य करेगी। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' (विश्व मुक्केबाजी) ने पहले ही अपनी योजना की घोषणा कर दी है जिसके तहत प्रतियोगियों को जन्म के समय के लिंग का निर्धारण करने के लिए पॉलीमरेज चेन रिएक्शन टेस्ट या उसी तरह के आनुवंशिक स्क्रीनिंग टेस्ट से गुजरना होगा।

'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने बुधवार को घोषणा की कि ये नियम सितंबर की शुरुआत में इंग्लैंड के लिवरपूल में होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप से पहले लागू किए जाएंगे। इन परीक्षण से जैविक लिंग के सूचक के रूप में वाई गुणसूत्र की उपस्थिति या अनुपस्थिति की पहचान की जाती है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा, 'विश्व मुक्केबाजी सभी खिलाड़ियों की गरिमा का सम्मान करती है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती है कि यह यथासंभव समावेशी हो।'

उन्होंने कहा, 'फिर भी मुक्केबाजी जैसे खेल में सुरक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक निष्पक्षता सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है और इसलिए यह नियम बनाया गया है।' पेरिस ओलंपिक चैंपियन अल्जीरिया की इमान खलीफ ने जून में नीदरलैंड में एक टूर्नामेंट में भाग लेने से इनकार कर दिया था। यह फैसला उस समय लिया गया जब शासी निकाय ने लिंग परीक्षण शुरू करने की अपनी योजना की घोषणा की थी।

बाद में वान डेर वोर्स्ट ने विश्व मुक्केबाजी की भविष्य की परीक्षण योजनाओं का जिक्र करते हुए खलीफ का नाम लेने के लिए माफी मांगी। खलीफ ने पहले टूर्नामेंट में भाग लेने की योजना बनाई थी। खलीफ और ताइवान की स्वर्ण पदक विजेता लिन यू-टिंग ने पेरिस ओलंपिक में उनके लिंग को लेकर गलत धारणा के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया था। 26 वर्षीय खलीफ ने बार-बार कहा है कि वह एक महिला के रूप में पैदा हुई हैं और उन्होंने लगभग एक दशक तक महिला एमेच्योर मुक्केबाजी के सभी स्तरों पर प्रतिस्पर्धा की है।

ओलंपिक खेलों में पहले गुणसूत्र परीक्षण आम था, लेकिन 1990 के दशक में इससे किनारा कर दिया गया था क्योंकि ठोस परिणाम पर नहीं पहुंचा जा रहा था। कई खेलों ने लिंग योग्यता निर्धारित करने के लिए हार्मोन परीक्षण का सहारा लिया, लेकिन इन परीक्षणों के लिए नियामक निकायों को उन खिलाड़ियों को लेकर कड़ा फैसला करना पड़ता है जिनमें टेस्टोस्टेरोन का स्तर अधिक पाया जाता है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने इसके साथ ही कहा कि परीक्षण कराने और परिणाम प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासंघों की है। इस साल की शुरुआत में विश्व एथलेटिक्स गुणसूत्र परीक्षण को फिर से शुरू करने वाला पहला ओलंपिक खेल बना था।

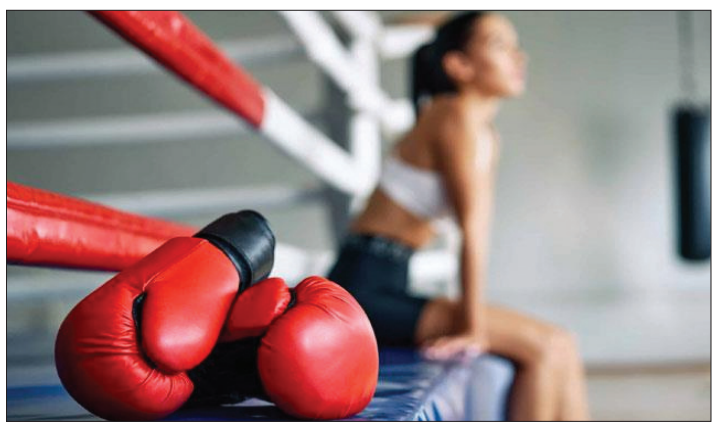

इंग्लैंड ने महिला विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की, हीथर नाइट की वापसी

आगामी महिला वनडे वर्ल्ड 2025 के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। जहां पूर्व कप्तान हीथर नाइट को स्क्वॉड में जगह मिली है। वहीं टीम में साराह ग्लेन और डेनी व्याट-हॉज की भी वापसी हुई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार नाइट को टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी है और उन्हें 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। साथ ही टीम में शामिल चार अनुभवी स्पिनरों में से ग्लेन एक हैं। वह उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें पहली बार विश्व कप टीम में जगह मिली है। इसके अलावा यह कप्तान के रूप में नैट स्किवर-ब्रंट का पहला आईसीसी टूर्नामेंट है। बता दें कि, दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज स्किवर-ब्रंट को अप्रैल में सभी प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया था। व्याट-हॉज की भी टीम में वापसी हुई है। वह इंग्लैंड की ओर से पिछली बार 50 ओवर के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में हार के दौरान खेली थी। केट क्रॉस, माइया बूचियर और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स को टीम में जगह नहीं मिली है। यह टूर्नामेंट नई कप्तान स्किवर-ब्रंट और मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स में मार्गदर्शन में देश का पहला विश्व कप होगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2022 के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। एडवर्ड्स ने कहा कि, विश्व कप में अपने देश के लिए खेलना खेल जगत के सबसे बड़े सम्मान में से एक है और मैं टीम में शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत खुश हूं। इंग्लैंड की कोच ने आगे कहा कि, सभी वैश्विक टूर्नामेंटों की तरह यह एक बड़ी चुनौती होगी लेकिन हम भारत में जितना हो सके उतना आगे बढ़ना चाहते हैं और मेरा मानना है कि अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलेंगे तो हम किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है- नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लोट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एकलेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, ऐमा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

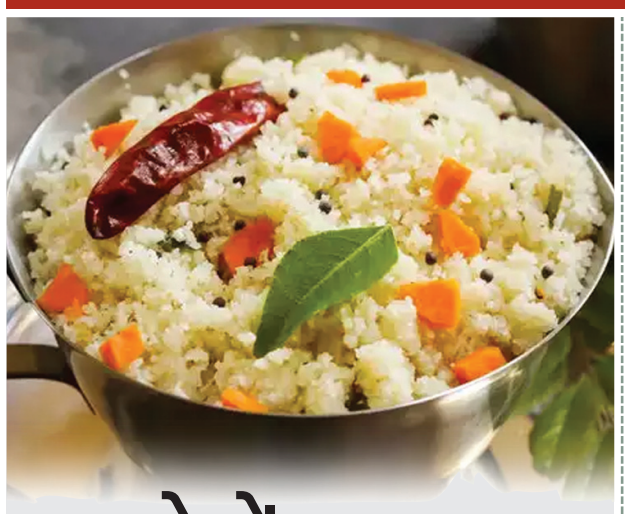

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

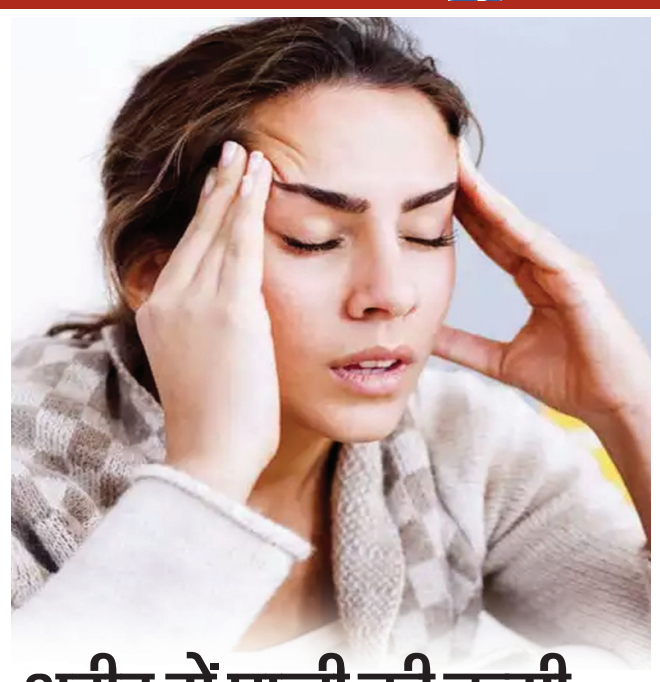

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉन्सिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान हुआ हादसा, प्राथमिकी हुई दर्ज

पटना (एजेंसी)। बिहार के नवादा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान एक सड़क दुर्घटना में पुलिसकर्मी घायल हुआ। 19 अगस्त को हुई घटना में, काफिले में शामिल एक कार ने एक पुलिस कांस्टेबल महेश कुमार को टक्कर मार दी, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। नवादा के पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के मुताबिक, मामले में वाहन के ड्राइवर पर प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। हालांकि, ड्राइवर का नाम और अन्य जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें घायल पुलिसकर्मी को लंगड़ाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में राहुल गांधी भी दिखाते हैं जो घायल कांस्टेबल को पानी की बोतल देकर उनकी चोट के बारे में पूछते हैं। इस घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस के मार्च को कुचल जनता यात्रा कहा। नवादा के सांसद और बीजेपी नेता विवेक ठाकुर ने पोस्ट कर कहा, असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा देखिए, जिस पुलिसकर्मी पर गाड़ी चढ़ी, उस पुलिसकर्मी को किस प्रकार फेंक कर पानी की बोतल दे रहे हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी जी, घमंड रावण का भी नहीं रहा था.!

खूंखार कुत्तों ने किया हमला, बाड़े में बंधी एक दर्जन से अधिक बकरियों की मौके पर ही मौत

सीकर(एजेंसी)। राजस्थान के सीकर जिले के खाचरियावास गांव में कुत्तों का आतंक बढ़ रहा है। गांव में कुत्तों ने एक ऐसी घटना को अंजाम दिया है जिससे पूरे इलाके में भय का माहौल है। दरअसल एक झुंड में आए खूंखार कुत्तों ने अचानक हमला किया और कुछ ही मिनटों में बाड़े में बंधे दर्जनभर बेजुबान पशु मारे गए। यह घटना पूर्व सरपंच संतोष सोलंकी के खेत की है, जहां देर रात दर्जनों आवारा कुत्तों ने बकरियों को मार दिया। अचानक हुए हमले में एक दर्जन से अधिक बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से पशुपालक को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते तीन दिनों में यह चौथी घटना है। अब तक कुल 27 बकरियों मारी जा चुकी है। बार-बार हो रही इन घटनाओं के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। न केवल पशुधन असुरक्षित है, बल्कि आमजन भी भयभीत हैं। महिलाएं और बच्चे देर शाम घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। इसके बावजूद प्रशासन इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। परेशान पशुपालकों का कहना है कि वे दिन-रात मेहनत कर अपने मवेशियों को पालते हैं, लेकिन आवारा कुत्तों के हमले से उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। एक ओर आर्थिक नुकसान, दूसरी ओर जानवरों के प्रति लगाव से ग्रामीण गहरे सदमे में हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल आवारा कुत्तों को पकड़ने की मांग की है।

सीमा सुरक्षा बल ने पकड़ा एक कबूतर....पर्ची बंधी मिली

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक कबूतर पकड़ा है। कबूतर के साथ एक पर्ची बंधी मिली, जिसपर आईईडी और जम्मू स्टेशन का जिक्र था। बीएसएफ ने इस कबूतर को जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि बीएसएफ द्वारा हैंड ओवर किए गए कबूतर के साथ बंधी पर्ची पर आईईडी और जम्मू रेलवे स्टेशन लिखा हुआ था। पुलिस ने कबूतर और संदेश को अपने कब्जे में लेकर मामले की गंभीरता लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि इस संदेश के पीछे कौन-सी मंशा और किसका हाथ है। फिलहाल पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

एक ही परिवार के पांच सदस्य संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के मियापुर इलाके में चौंकाने वाली घटना में एक ही परिवार के पांच सदस्य संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले। मृतकों की पहचान लक्ष्मैया (60), वेंकटम्मा (55), अनिल (32), कविता (24) और एक दो साल के बच्चे के रूप में हुई है। पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है, हालांकि सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने कहा, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ये सभी कर्नाटक के गुलबर्गा जिले के सेदम मंडल के रंजोली के रहने वाले थे।

सेवेंथ डे स्कूल हत्याकांड को लेकर बाल आयोग ने पुलिस से मांगी पूरी घटना रिपोर्ट

अहमदाबाद (एजेंसी)। शहर के खोखरा इलाके में स्थित सेवेंथ डे स्कूल में हुई हत्या की घटना पर बाल आयोग ने पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। बाल आयोग की अध्यक्षा धर्मिष्ठा गज्जर ने हत्या की घटना को गंभीरता से लेते हुए मामले पर संज्ञान लिया है। वे इस घटना के संबंध में गंभीरता से कार्रवाई चाहती हैं और पुलिस रिपोर्ट के माध्यम से एक नई रूपरेखा तैयार करेंगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में किसी अन्य स्कूल में ऐसी दुखद घटना न घटे। गुजरात राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस घटना को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। आयोग ने अहमदाबाद पुलिस और स्कूल प्रशासन से एक विस्तृत रिपोर्ट माँगी है, जिसमें घटना का पूरा घटनाक्रम और उसके कारणों की जानकारी देने को कहा गया है। स्कूल द्वारा उठाए गए कदमों, खासकर सुरक्षा और तत्काल प्रतिक्रिया में चूक के बारे में भी जानकारी देने को कहा गया है। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई और आरोपी नाबालिग की जांच पर रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। बाल आयोग ने स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था और शिक्षकों के प्रशिक्षण का ब्यौरा मांगा है। आयोग ने स्पष्ट किया कि इस रिपोर्ट के आधार पर राज्य के अन्य स्कूलों में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सिफारिशें और नीतियाँ बनाई जाएँगी। आयोग अध्यक्षा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। यह घटना स्कूलों में सुरक्षा के लचर इंतजाम और बच्चों की मानसिक स्थिति पर ध्यान न देने का नतीजा है।

जिताने की कोशिश करेंगे, इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार से केजरीवाल ने की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी से उनके दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की। केजरीवाल ने कहा कि वह रेड्डी को इस हाई-प्रोफाइल चुनाव में जीत दिलाने की पूरी कोशिश करेंगे। केजरीवाल के साथ कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी और सैयद नसीर हुसैन, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी भी मौजूद थे, जिन्होंने रेड्डी के साथ एक तस्वीर खिंचवाई। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की रेड्डी से मुलाकात विपक्षी उम्मीदवार के रूप में सत्तारूढ़ एनडीए द्वारा उपराष्ट्रपति पद के लिए उतारे गए सी.पी. राधाकृष्णन के खिलाफ होने वाली है। यह मुलाकात उनकी पार्टी के महागठबंधन से बाहर होने के कुछ महीने बाद हुई है।

यह बैठक आप द्वारा रेड्डी को समर्थन देने की घोषणा के ठीक दो दिन बाद हुई। केजरीवाल ने बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जस्टिस रेड्डी, जो विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं, का उनका समर्थन करती है। हमने देश के मौजूदा हालात पर चर्चा की। अन्य विपक्षी दलों के नेता भी आए। हमने चुनावी रणनीतियों पर भी चर्चा की। हम जस्टिस रेड्डी को जिताने की कोशिश करेंगे। आप प्रमुख ने कहा कि यह चुनाव गुप्त मतदान द्वारा होता है। इसमें कोई व्हिप नहीं होता, इसलिए मैं सभी दलों से कहना चाहता हूँ कि एक न्यायाधीश के रूप में उनका करियर प्रभावशाली रहा है। जब उन्होंने बिना किसी डर के बड़े फैसले लिए, तो ऐसे व्यक्ति से आसन का सम्मान बढ़ेगा। इसलिए मैं कहूँगा कि वह देश के उम्मीदवार हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। रेड्डी ने कहा कल अरविंद केजरीवाल ने नामांकन के समय मेरी उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए संजय सिंह को भेजा था। मैं उनका आभारी हूँ। मैं यहाँ मेरी उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिए उनके आभार व्यक्त करने आया हूँ। इंडिया ब्लॉक ने मंगलवार को आधिकारिक तौर पर रेड्डी को 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। यह घोषणा करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव एक वैचारिक लड़ाई है।

भगवान भैरव ने कुत्तों को बचाने दिल्ली जाने का दिया था आदेश

-सीएम रेखा पर हमला करने वाले ने पुलिस पूछताछ में किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर हमला करने वाला राजेश खिमजी ने पुलिस पूछताछ में खुलासा किया है। पुलिस के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि राजेश खिमजी शिवलिंग की पूजा करता है। उसने पुलिस को बताया कि जब कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया तो उसे सपने में शिवलिंग में भगवान शिव के भैरव स्वरूप के दर्शन हुए। भैरव स्वरूप में आए कुत्ते ने उसे दिल्ली जाकर अपनी बात रखने के लिए कहा। इसके बाद राजेश सोमवार को उज्जैन पहुंचा। वहां से भी उसे दिल्ली जाने का आदेश भैरव स्वरूप में आए कुत्ते ने दिया फिर बिना टिकट के ही राजेश खिमजी ट्रेन से नई दिल्ली पहुंच गया।

नई दिल्ली स्टेशन पहुंचने पर राजेश खिमजी ने किसी शख्स से सीएम रेखा गुप्ता के घर का पता पूछा। इसके बाद राजेश खिमजी मेट्रो से सीएम रेखा के निजी आवास जाने के लिए निकल गया, लेकिन आरोपी गलत मेट्रो स्टेशन पर उतर गया। इसके बाद राजेश राहगीरों से पता पूछकर सीएम के निजी आवास पर रिक्शा से पहुंचा। रिक्शा वाले को राजेश ने 50 रुपए दिए। आरोपी ने बताया कि उसने सीएम से कुत्तों को दिल्ली से बाहर नहीं करने की अपील की। आरोपी राजेश ने पुलिस को बताया कि सीएम रेखा ने उसकी बात नहीं सुनी उसे अनसुनी कर दी, जिसके बाद उसे गुस्सा आ गया और उसने सीएम पर हमला कर दिया। वह शाम की ट्रेन से वापस गुजरात जाने वाला था। हालांकि पुलिस ये भी पता कर रही है कि आखिरकार राजेश के बयान में कितनी सच्चाई है। कहीं ऐसा तो नहीं कि वह पुलिस की जांच को भटकाने के लिए ऐसा बोल रहा है। फिलहाल आरोपी राजेश पुलिस हिरासत में है।

अमित शाह और राजनाथ सिंह को मिली ये अहम जिम्मेदारी... विजन 2047 को लेकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में सुधारों के सुझाव देने के लिए दो नए अनौपचारिक मंत्री समूह गठित किए हैं। शाह को आर्थिक सेक्टर की जबावदारी दी गई है।

इस समूह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित 13 सदस्य हैं, जबकि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव इस समूह के संयोजक बने हैं। यह समूह वित्त, उद्योग, वाणिज्य अवसंरचना, रसद, संसाधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, और शासन सहित प्रौद्योगिकी और आर्थिक क्षेत्रों में विधायी और नीतिगत सुधार एजेंडा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

वहीं, सामाजिक कल्याण और सुरक्षा क्षेत्रों पर गठित दूसरे 18-सदस्यीय समूह का नेतृत्व रक्षा मंत्री सिंह करने वाले है। यह समूह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, कौशल विकास, सामाजिक कल्याण, आवास, श्रम, जन स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में सुधारों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेगा। इस समूह में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और श्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया को संयोजक बनाया गया है।

इन समूहों का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के बाद हुआ है, जहां उन्होंने अपनी स्पीच में अगली पीढ़ी के सुधारों की आवश्यकता पर जोर देकर एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की थी। पीएम मोदी ने कहा था कि मौजूदा नियमों, कानूनों, नीतियों और प्रक्रियाओं को 21वीं सदी के अनुसार वैश्विक परिवेश के अनुकूल और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप नए सिरे से तैयार किया जाना चाहिए।

प्रशांत किशोर ने बताया 10-15 साल में संघ, मोदी और योगी का भविष्य... धीरे-धीरे कट्टर होता जाएगा बीजेपी नेतृत्व

15 साल बाद आपकों मोदी जी का हिंदुत्व नरम लगेगा

पटना (एजेंसी)। बिहार की विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को लुभाने की कोशिशें तेज़ कर दी हैं। इसी कड़ी में जन सुराज पार्टी प्रमुख और पूर्व रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी पूरे बिहार में प्रचार कर रहे हैं। लगभग 20 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले राज्य में, राजनीतिक दल समुदाय को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अब वीडियो वायरल हुआ है जिसमें प्रशांत किशोर लालकृष्ण आडवाणी, नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की तुलना करके मुसलमानों को भाजपा के खिलाफ वोट देने के लिए प्रेरित करते दिख रहे हैं।

वीडियो में सुना जा सकता हैं कि पीके ने कहा कि मैं यहाँ बैठे आप सभी से आडवाणी और मोदी में से किसी एक को चुनने के लिए कहूँगा। आप सब आडवाणी को चुनने वाले है। आडवाणी चाहे कितने भी खतरनाक क्यों न हों, मोदी उससे भी ज्यादा खतरनाकहैं। लिखकर रखे 10 साल बाद, जब मैं आपसे फिर मिलूँगा, तब मैं आपसे फिर पूछूँगा कि कौन बेहतर है योगी या मोदी? और आप लोग ये कहने वाले हैं कि मोदी फिर भी बर्दाश्त करने लायक थे, लेकिन यह योगी असहनीय है। पीके ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश को दक्षिणपंथी बनाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आप समझ नहीं रहे कि आरएसएस (संघ) क्या कर रहा है। संघ धीरे-धीरे केंद्रीय विचारधारा को दक्षिणपंथ की ओर मोड़ रहा है, आपके लिए नहीं, बल्कि हिंदुओं के लिए।

प्रशांत किशोर ने कहा कि आप जिस बयान की बात कर रहे हैं, उसके बारे में मैंने लोगों को भाजपा नेतृत्व के विकास को समझाने की कोशिश की थी। पहले अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी थे। वाजपेयी को नरम हिंदुत्व का प्रतीक माना जाता था और आडवाणी को कट्टर हिंदूवादी नेता माना जाता है। आज अगर आप आडवाणी और मोदी जी की तुलना करें, जो लोग आडवाणी जी को कट्टर मानते थे, आज उन्हें मोदी जी की तुलना में नरम पाएंगे। इसलिए, मैंने कहा कि आने वाले समय में भाजपा नेतृत्व का पथ धीरे-धीरे कट्टर होता जाएगा। 10-15 साल बाद एक समय ऐसा आएगा कि भाजपा का नेतृत्व किसी कट्टरपंथी के हाथ में होगा, जिसके सामने मोदी जी का हिंदुत्व नरम लगेगा। पूर्व चुनावी रणनीतिकार पीके ने कहा कि संघ ने पहले वाजपेयी को आगे रखा और जब हिंदुओं ने वाजपेयी को स्वीकार किया, तब उन्होंने आडवाणी को आगे किया। जब आडवाणी को स्वीकृति मिल गई, तब उन्होंने मोदी को आगे किया और जब हिंदू समाज मोदी को स्वीकार कर रहा है, तब संघ आने वाले सालों में योगी को आगे लाने की योजना बना रहा है।

अगर गिरफ्तार किया व्यक्ति बरी होता है तो फिर जेल भेजने वाले पीएम-सीएम को भी सजा दी जाए : सिसोदिया

नई दिल्ली। गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार करीब 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने यदि खुद कुर्सी नहीं छोड़ी तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। ऐसे प्रावधान करते हुए तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए, जिन्हें सदन ने संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेजने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि जिस तरह दिल्ली के सीएम रहते हुए अरविंद केजरीवाल ने जेल में रहकर भी पद नहीं छोड़ा, भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए यह कानून लाया जा रहा है। इस बीच केजरीवाल के डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया ने इस विधेयक में यह भी जोड़ने की बात कही है कि यदि गिरफ्तार किया गया मंत्री या मुख्यमंत्री निर्दोष साबित हो तो उसे जेल भेजने वाले सीएम या पीएम को सजा दी जाए। मनीष सिसोदिया ने इस बिल को लेकर एक लेख साझा करते हुए एक्स पर लिखा- इस कानून में यह व्यवस्था भी होनी चाहिए कि अगर कोई मंत्री या मुख्यमंत्री झूठे आरोपों में जेल भेजा जाता है और बाद में वह बरी हो जाता है तो गिरफ्तार करने वाले अधिकारी, एजेंसी के मुखिया और सरकार के मुखिया (पीएम या सीएम जो भी उस समय रहे हों) को उतने साल जेल भेजा जाए जितने साल की सजा वाले झूठे आरोप उस वक्त लगाए गए थे। सिसोदिया ने कहा कि सिर्फ मंत्रियों या नेताओं के लिए क्यों? किसी भी आम आम आदमी को झूठे केस में जेल भेजने वालों को भी जेल भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए।

शाह से कपिल सिब्बल ने पूछा सवाल...

आपके कोई मंत्री के खिलाफ कभी कोई एफआईआर हुई?

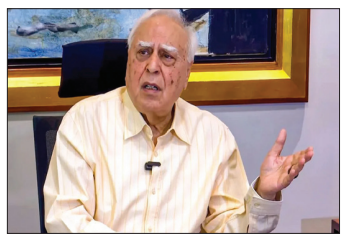

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार मंत्रियों को हटाने संबंधी तीन विधेयक पेश करने पर बड़ा बयान दिया है। सांसद सिब्बल ने कहा कि लोकतंत्र को बर्बाद करना इनका मूल मकसद है। सुप्रीम के वरिष्ठ वकील सिब्बल ने कहा कि इस बिल के लागू होने से मानक अधिकारों को वे छीनना चाहते हैं। लोकतंत्र को बर्बाद करना इनका मकसद है। बिहार में इन्होंने किस तरह से एसआईआर लागू किया और किस तरह से मतदाता सूची बन रही है..इससे मतदाता सूची को दीमक लग जाएगा। तब चुनाव होगा कैसे?

सिब्बल ने कहा कि आखिर इनकी मंशा क्या है? आपको पता है कि अगर किसी पर एफआईआर होती है, तब सीधे गिरफ्तार किया जाता है और ये जो नया कानून है अगर किसी को हिरासत में ले लिया जाए, तब सालों लग जाते हैं बेल लेने में।

सिब्बल ने आप नेताओं झारखंड के सीएम का जिक्र कर कहा कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, हेमंत सोरेन ये सब उदाहरण हैं। तब मैं गृह मंत्री शाह से पूछना चाहता हूं कि आपके कोई केंद्र के मंत्री के खिलाफ कभी कोई एफआईआर हुई? और जिस प्रदेश में आप सरकारें चला रहे हैं वहां पर किसी मंत्री के खिलाफ एफआईआर हुई ?ज.आप ये न समझना कि जनता समझती नहीं है।

बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। इस बिल को लेकर लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के बाद विधेयक को एक संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में पद से हटाने का प्रावधान है।

विधेयक में कहा गया है कि कोई भी मंत्री जो किसी गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों तक जेल में रहा है, उस मंत्री को अपना पद खोना होगा। विधेयक के अनुसार, ÷किसी मंत्री को जो तीन दिनों तक जेल में रहा हो और इसतरह के आरोप में गिरफ्तार हुआ हो जिसकी सजा पांच साल या उससे अधिक है, उस मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना होगा। संबंधित मंत्री को 31वें दिन तक मुख्यमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा पद से हटा दिया जाएगा। यदि इसतरह के मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री की सलाह 31वें दिन तक राष्ट्रपति को नहीं दी जाती है, तब वह उसके बाद आने वाले दिन से मंत्री नहीं रहेगा।

एआई पर ज्यादा निर्भरता हो सकता है नुकसानदायक: श्रीधर वेम्बू

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जोहो कॉर्पोरेशन के को-फाउंडर और चीफ साइंटिस्ट श्रीधर वेम्बू ने अपने विचार साझा किए। श्रीधर वेम्बू ने कहा कि एआई न केवल सीखने की प्रक्रिया को तेज करता है बल्कि काम को सरल बनाता है और प्रोडक्ट व सर्विस को बेहतर करने में मदद करता है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि एआई पर ज्यादा निर्भरता, उसका गलत इस्तेमाल या बिना निगरानी के अपनाना नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे प्रोडक्शन प्रभावित हो सकता है और नई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जोहो में प्रोग्रामरों को नई चीजें सीखने और समस्याओं को हल करने के लिए एआई का इस्तेमाल करने दिया जाता है, लेकिन बड़े और महत्वपूर्ण निर्णय अब भी इंसानों के हाथ में ही हैं। वेम्बू का मानना है कि एआई से मिले जवाबों को सीधे कॉपी-पेस्ट करना प्रोफेशनली उचित नहीं है। उनका कहना है कि ऐसे जवाबों को पहले अन्य स्रोतों से जांचना और सत्यापित करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति एआई के उत्तरों को अपना बताकर पेश करता है, तो इससे भरोसा टूट सकता है।

उन्होंने बताया कि वे एक अलग तरीका अपनाते हैं, जिसमें कई एआई सिस्टम्स को एक-दूसरे के जवाबों पर बहस और रिव्यू करने के लिए कहा जाता है। इससे समझ में गहराई आती है और गलतियां पकड़ने में आसानी होती है। एआई को लेकर वेम्बू का स्पष्ट संदेश है कि यह तकनीक पूरी तरह से इंसानों की जगह नहीं ले सकती। इंसानी निगरानी और विवेक के साथ इसका इस्तेमाल जरूरी है। तभी इसके फायदे बिजनेस और दफ्तरों में प्रभावी रूप से मिल सकते हैं और जोखिम भी कम होगा। वेम्बू ने बताया कि वे खुद दिन में दो से तीन बार एआई चैट टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। उनके मोबाइल में टॉप पांच एआई ऐप्स इंस्टॉल हैं। उन्होंने कहा कि एआई ने उनके वेब सर्च को करीब 80 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जिससे नई जानकारी सीखना तेज और आसान हो गया है।

श्रीधर वेम्बू का मानना है कि एआई एक शक्तिशाली उपकरण है, लेकिन इसका उपयोग जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। बिना सोचे-समझे इसका सहारा लेना नुकसानदायक हो सकता है, जबकि सही तरीके से अपनाने पर यह कामकाज को अधिक कुशल और प्रभावी बना सकता है। बता दें कि आजकल हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। जानकारी खोजने से लेकर मेल लिखने और कंटेंट क्रिएशन तक, लोग सबसे पहले एआई का सहारा ले रहे हैं। लेकिन कई बार लोग एआई के जवाबों को बिना जांचे-परखे सीधे कॉपी-पेस्ट कर देते हैं, जोकि सही नहीं माना जाता।

चीन की मीठी-मीठी बातों में नहीं फंसेगा भारत... वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सेना की तैनाती हमेशा

नई दिल्ली(एजेंसी)। चीन के साथ भारत की कूटनीतिक और सैन्य बातचीत के बावजूद, भारत को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हमेशा सतर्क रहने की ज़रूरत है। इसका कारण चीन की सेना (पीएलए) ने सीमा पर बड़े पैमाने पर अपने सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत किया है, जिससे वे बहुत तेज़ी से अपनी सेना को तैनात कर सकते हैं।

क्यों भारतीय सेना एलएसी पर अपनी सतर्कता कम नहीं कर सकती-

दरअसल पिछले पाँच सालों में, चीन ने पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक एलएससी के करीब सड़कें, पुल, सुरंगें और ठिकाने बना लिए हैं। इस मज़बूत नेटवर्क की मदद से पीएलए के सैनिक 100 से 150 किलोमीटर की दूरी भी सिर्फ 2-3 घंटों में तय कर सकते हैं, जबकि भारतीय सेना के पास ऐसी सुविधा नहीं है।

मई-जून 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुई झड़पों के बाद से दोनों सेनाओं के बीच विश्वास की कमी बनी हुई है। उस घटना के बाद से, 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी पर भारी मात्रा में हथियार और सेना की तैनाती की गई है। भले ही पीएलए की कुछ ब्रिगेड एलएसी से 100 किलोमीटर पीछे हट गई हैं, लेकिन उनकी बॉर्डर डिफेंस रेजिमेंट अभी भी फॉरवर्ड पोस्ट पर तैनात हैं। इन ब्रिगेड में लगभग 4,500 से 5,000 सैनिक, टैंक, बख्तरबंद गाड़ियाँ, और मिसाइल सिस्टम जैसे आधुनिक हथियार शामिल हैं।

सितंबर 2022 में, पूर्वी लद्दाख में कुछ इलाकों में नो पेट्रोलिंग बफर ज़ोन बनाए गए थे। इन क्षेत्रों में भारतीय सेना पहले गश्त करती थी, लेकिन अब वे ऐसा नहीं कर सकती, जो भारत के लिए नुकसानदेह है। ये ज़ोन 3 से 10 किलोमीटर तक फैले हैं और भारत इन्हें अपना क्षेत्र मानता है। भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भले ही तनाव कम करने के लिए बातचीत चल रही है, लेकिन पीएलए की तैयारियों को देखते हुए भारत को अपनी सतर्कता कम नहीं करनी चाहिए।

सच्चाई ये है कि पीएलए के कुछ कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड (सीएबी) पिछले कुछ महीनों में एलएसी से करीब 100 किलो मीटर पीछे जरूर हटे हैं, लेकिन अभी भी कई फॉरवर्ड पोस्ट पर तैनात हैं, जिसमें उनकी बॉर्डर डिफेंस रेजिमेंट भी शामिल हैं। प्रत्येक सीएबी में टैंकों के साथ करीब 4,500-5,000 जवान, बख्तरबंद वाहन, आर्टिलरी के अलावा अन्य वेपन सिस्टम के साथ ही सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम भी शामिल रहते हैं। एलएसी पर जवानों की तैनाती कम करने और उनकी वापसी के लिए सभी अतिरिक्त टुकड़ियों को उनके शांति काल वाले स्थायी ठिकानों पर वापसी करानी होगी। फिलहाल दोनों देश पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैली वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति कायम रखने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तरों पर बातचीत के लिए मौजूदा बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस इरादे से दोनों ओर से अब एलएसी के

पूर्वी (सिक्किम, अरुणाचल) और मध्य (उत्तराखंड, हिमाचल) इलाकों में जेनरल लेवल मैकेनिज्म स्थापित करने का भी फैसला लिया है, जो कि पश्चिम (लद्दाख) में भारत के 14वी कोर कमांडर और साउथ शिनजियांग डिस्ट्रिक्ट चीफ के मौजूदा वार्ता तंत्र के अलावा होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूक्रेन पर नया रोड़ा: जेलेंस्की चाह रहे युद्धविराम ट्रंप-पुतिन रट रहे शांति समझौते का राग

वाशिंगटन, एजेंसी। एक हफ्ते के अंदर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी मंशा साफ कर दी है कि वह हर हाल में यूक्रेन युद्ध रोकना चाहते हैं लेकिन हफ्ते भर के अंदर हुई इन हाई प्रोफाइल मुलाकातों के दौरान ट्रंप ने युद्धविराम की बात करते-करते अब शांति वार्ता की राह पकड़ ली है। दरअसल, उनके स्टैंड में आए इस बदलाव के पीछे रूसी राष्ट्रपति पुतिन हैं, जो यूक्रेन के साथ युद्धविराम नहीं बल्कि शांति वार्ता चाहते हैं।

सोमवार को जब वाइट हाउस में सात यूरोपीय नेताओं के साथ ट्रंप से जेलेंस्की मिलने पहुंचे तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में यूक्रेन में युद्धविराम के अपने पुराने आह्वान यानी युद्धविराम को त्यागकर, पुतिन के स्थायी शांति समझौते के प्रयासों का समर्थन किया। हालाँकि, कुछ यूरोपीय नेताओं ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि पहले अस्थायी युद्धविराम लागू किया जाए। **यूरोपीय देशों को क्या डर?** ऐसा भी नहीं है कि यूक्रेन और यूरोपीय सहयोगी देश क्षेत्र में शांति नहीं चाहते लेकिन वे समझ रहे हैं कि शांति वार्ता की आड़ में रूस जिस तरह का समझौता चाहता है, वह तब तक संभव नहीं है, जब तक कि वैश्विक व्यवस्था के सबसे बुनियादी सिद्धांत लागू न हों। कीव और उसके सहयोगियों का स्पष्ट मानना है कि कोई देश शांति वार्ता के नाम पर अपनी मनचाही चीज़ें बलपूर्वक ना तो पा सकता है और ना ही उसे नजरअंदाज करने दिया जा सकता है। दरअसल, कीव के यूरोपीय सहयोगी रूस द्वारा प्रचारित जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि उन्हें भय है कि वे रूसी हमले का अगला निशाना बन सकते हैं। सोमवार को ओवल ऑफिस में यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की और कई यूरोपीय नेताओं से बात करते हुए, ट्रम्प ने मॉस्को के तर्कों का समर्थन किया और सवाल किया कि अगर स्थायी और व्यापक शांति समझौता हो सकता है तो अस्थाई युद्धविराम की क्या जरूरत है? ऐसे में यह समझना जरूरी है कि दोनों

(युद्धविराम और शांति समझौता) में क्या बड़ा अंतर है?

क्या होता है युद्धविराम? युद्धविराम, दरअसल युद्ध के दौरान वैसी स्थिति है, जिसमें युद्धरत पक्ष लड़ाई बंद करने पर सहमत होते हैं और प्रत्येक पक्ष अपने सैन्य नियंत्रण वाले क्षेत्र पर कब्ज़ा बनाए रखता है। आम तौर पर यह माना जाता है कि यह विराम अस्थायी होता है और इस दौरान दोनों पक्ष आपसी बातचीत करते हैं या मानवीय सहायता पहुँचाने या नागरिकों को निकालने के अवसर के रूप में उस अवधि का इस्तेमाल करते हैं। युद्धविराम अल्पकालिक से दीर्घकालिक तक हो सकता है। जैसे 1914 का क्रिसमस युद्धविराम जो कुछ दिनों तक चला था। युद्धविराम के ऐसे भी उदाहरण हैं जो दशकों तक चले हैं। जैसे साइप्रस और तुर्की के बीच और भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से युद्धविराम लागू है, लेकिन इन देशों के बीच कोई स्थायी शांति समझौता नहीं हो सका है।

क्या होता है शांति समझौता? अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, शांति समझौता एक औपचारिक, दीर्घकालिक संधि होती है जो दो देशों के बीच भविष्य के संबंधों को निर्धारित करती है। इसके तहत विरोधी देश पर कब्जे वाले क्षेत्र को पूर्ण या आंशिक तौर पर छोड़ने पर सहमति बनती है। यूक्रेन जंग में पुतिन और ट्रंप जो चाहते हैं, वह शांति समझौता है लेकिन उनकी शर्तें ऐसी हैं जो इसे जटिल बना देती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय कानून का एक मूल सिद्धांत है जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर में सबसे ऊपर अंकित है। इसके अनुसार, किसी भी पक्ष द्वारा बल प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसलिए इसका यह भी अर्थ है कि बल प्रयोग द्वारा प्राप्त की गई कोई भी संधि प्रभावी रूप से अवैध है।

शांति समझौते की राह में रोड़ा कहां? पिछले सप्ताह हुई ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के दौरान शांति वार्ता के जिस रूप पर कथित तौर पर चर्चा हुई है, उस पर यूरोप और यूक्रेन को ऐतराज है। पुतिन अपनी कुछ ऐसी मांगों पर अड़े हुए हैं जो अड़चनें पैदा कर रही हैं। 'द गार्जियन' के अनुसार रूसी राष्ट्रपति ने कथित तौर पर अपने अमेरिकी समकक्ष से कहा कि वह डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूर्ण नियंत्रण के बदले में सभी शत्रुताएँ समाप्त करने को तैयार हैं।

इलके अलावा क्रेमलिन ने युद्ध समाप्त करने और शांति समझौता करने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उनमें यूक्रेन का नाटो में शामिल न होना, उसका विसैन्यीकरण और नाजी-मुक्ति, अन्य देशों द्वारा हथियारों के निर्यात पर रोक, तथा डोनेट्स्क, लुहांस्क, ज़ापोरीज्जिया और खेरसॉन के बहुसंख्यक रूसी भाषी क्षेत्रों को क्षेत्रीय रियायतें देना, तथा क्रीमिया को रूस का हिस्सा मानने की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता शामिल है। माना जा रहा है कि इन शर्तों पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मुताबिक शांति समझौता होना मुश्किल है।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया और इस्राइल के बीच पेरिस में दुर्लभ बैठक

डमस्कस, एजेंसी। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया है कि सीरिया के विदेश मंत्री ने पेरिस में इस्राइल के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ एक दुर्लभ बैठक की है। समाचार एजेंसी सना के अनुसार, विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने मंगलवार को इस्राइली अधिकारियों से बातचीत की। दोनों पक्षों ने तनाव कम करने और 1974 के युद्धविराम समझौते को फिर से लागू करने पर चर्चा की। दिसंबर में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद से सीरिया और इस्राइल के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इज़राइल ने दक्षिणी सीरिया में अपनी जमीनी सेना भेजी है और देशभर में कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

अमेरिकी न्याय विभाग अपराध के आंकड़ों में हेराफेरी की कर रहा जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या वाशिंगटन डीसी के पुलिस अधिकारियों ने अपराध के आंकड़ों में हेराफेरी की है। यह जानकारी ऐसे व्यक्ति ने दी है जो जांच के बारे में जानता है, लेकिन उसे सार्वजनिक रूप से बोलने की अनुमति नहीं है। यह जांच उस समय हो रही है जब ट्रंप प्रशासन और वॉशिंगटन शहर की सरकार के बीच पुलिस विभाग पर नियंत्रण को लेकर राजनीतिक टकराव बढ़ रहा है। अभी यह साफ नहीं है कि अगर अपराध के आंकड़ों में हेरफेर हुआ तो वह किन संघीय कानूनों के खिलाफ होगा। मेयर कार्यालय ने इस पर कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सबसे पहले इस जांच की खबर दी थी। वहीं, एनबीसी वॉशिंगटन ने बताया कि इस साल की शुरुआत में, अपराध के आंकड़ों से छेड़छाड़ के शक में मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को सवेतन प्रशासनिक छुट्टी पर भेज दिया गया था।

उत्तरी कैरोलिना में कार गैस लाइन से टकराई, नए पशु अस्पताल में विस्फोट

रैलीघ, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना में मंगलवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) एक नए पशु अस्पताल में विस्फोट हो गया। यह हादसा तब हुआ जब एक कार सड़क से फिसलकर अस्पताल की गैस पाइपलाइन से टकरा गई। विलमिंगटन पुलिस के प्रवक्ता ग्रेग विलेट ने बताया कि यह अस्पताल अभी निर्माणाधीन था। कार गैस लाइन से टकराने के करीब 20 मिनट बाद जोरदार विस्फोट हुआ। कार चालक मौके से भाग गया था, इसलिए इसे हिट एंड रन का मामला माना गया। दमकल विभाग की प्रवक्ता रेबेका थर्स्टन ने बताया कि हादसे के बाद इमारत तुरंत खाली करा ली गई थी। दमकलकर्मी यह सुनिश्चित करने के लिए अंदर जांच कर ही रहे थे कि सब लोग बाहर निकल चुके हैं, तभी विस्फोट हो गया। इसमें तीन दमकलकर्मी घायल हुए। दो को मामूली चोटें आईं, जबकि एक के हाथ और बाजू बुरी तरह झुलस गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दक्षिण सागर में चीन ने अपने ही युद्धपोत को मारी टक्कर

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए चीन आक्रामक होकर अन्य देशों पर दबाव बढ़ा रहा है। इसी प्रयास में 11 अगस्त को फिलीपीन के जहाज का पीछा करने के दौरान चीन के दो युद्धपोत ही आपस में टकरा गए, जिसमें एक जहाज का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चीन ने अब तक इस घटना को छिपाए रखा पर एक वीडियो के बाद उसकी पोल खुल गई। चीन को शर्मिंदा करने वाली यह घटना स्कारबोरो शोल से 10 समुद्री मील की दूरी पर हुई। स्कारबोरो शोल फिलीपीन के आर्थिक क्षेत्र में आता है, पर 2012 में चीन ने इस पर कब्जा कर लिया, जिसे लेकर दोनों नौसेनाओं में तनाव रहता है। 11 अगस्त को चीनी तटरक्षक बल का जहाज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के विध्वंसक से भिड़ गया।

एअर कनाडा का हड़ताल खत्म करने को संघ से समझौता

कनाडा , एजेंसी। एअर कनाडा के 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट के संघ ने मंगलवार तड़के कहा कि हड़ताल खत्म करने को एक अस्थायी समझौता हो गया है। हाल ही में शुरू इस हड़ताल से प्रतिदिन लगभग 1.30 लाख यात्री प्रभावित हो रहे थे। संघ ने कहा, यह समझौता सदस्यों को विमानों के उड़ान भरने के दौरान किए गए काम के लिए भुगतान की गारंटी देगा। इस तरह एक प्रमुख मुद्दा हल हो गया है।

रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर मार्क वॉरेन को पुतिन ने गिफ्ट की 22 लाख की बाइक

मास्को, एजेंसी। अलास्का के रहने वाले रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर मार्क वॉरेन अचानक अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें 22,000 डॉलर करीब 18 लाख रुपये की नई उरल मोटरसाइकिल उपहार में दी है। 9 अगस्त को एंकोरेज में हुए पुतिन-ट्रंप शिखर सम्मेलन की कवरेज के दौरान रूस के टीवी चैनल ऋण्ह्यह्यद्ब4ड्ड 1 की टीम ने वॉरेन से बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी पुरानी उरल मोटरसाइकिल दिखाते हुए कहा कि प्रतिबंधों के कारण उन्हें पार्ट्स नहीं मिल पा रहे हैं और गलती से यह भी कह दिया कि इसकी फैक्ट्री यूक्रेन में है। उनका यह बयान रूस में वायरल हो गया और कुछ ही दिनों बाद पुतिन ने उन्हें नई बाइक भेंट कर दी। 15 अगस्त को एंकोरेज स्थित लेकफ्रंट होटल की पार्किंग में रूसी दूतावास के अधिकारी आंद्रेई लेदेनेव ने वॉरेन को नई मोटरसाइकिल की चाबी सौंपी। लेदेनेव ने कहा, ÷यह राष्ट्रपति पुतिन की ओर से व्यक्तिगत उपहार है।÷ रूसी टीवी चैनलों पर वॉरेन को नई मोटरसाइकिल चलाते हुए भी दिखाया गया। **कौन हैं मार्क वॉरेन?** मार्क वॉरेन जीवनभर अलास्का में रहे और मोटरसाइकिलों के शौकीन हैं। अक्सर अपनी पोती के साथ सवारी करते हैं। पुरानी उरल उन्होंने एक पड़ोसी से खरीदी थी। रूसी मीडिया ने उन्हें पश्चिमी प्रतिबंधों के शिकार साधारण अमेरिकी नागरिक के रूप में पेश किया। हालांकि, उरल मोटरसाइकिल कंपनी ने स्पष्ट किया कि उसका मुख्यालय अब अमेरिका के वॉशिंगटन में है और उत्पादन 2022 में कजाकिस्तान ट्रांसफर कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने पुतिन की इस पहल को कूटनीति का नया अंदाज बताया। वहीं आलोचकों ने इसे क्रेमलिन की प्रचार रणनीति कहा। आलोचकों ने यह भी याद दिलाया कि पुतिन पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (द्बष्टष्ट) ने युद्ध अपराधों के मामले में वारंट जारी कर रखा है। **वॉरेन का जवाब** वॉरेन ने विवाद को नजरअंदाज करते हुए कहा, ÷मैंने बहुतों को नाराज कर दिया, लेकिन मुझे परवाह नहीं। ये बाइक शानदार है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह किसी भी तरह से क्रेमलिन के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। वॉरेन ने कहा, उन्हें मुझसे कुछ नहीं मिलेगा।÷ वॉरेन अब अपनी पुरानी बाइक बेचने की योजना बना रहे हैं। उनके लिए यह नई मोटरसाइकिल बस एक बेहतर सवारी है।

चीनी कंपनी टिकटॉक पर दिखेंगे डोनाल्ड ट्रंप, वाइट हाउस का ऑफिसियल अकाउंट शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के प्रति प्रेम एक बार फिर सामने आया है। चीन से लगाव रखने और भारत पर टैरिफ लगाने वाले ट्रंप अब टिकटॉक पर दिखाई देंगे। दरअसल, वाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने मंगलवार को टिकटॉक पर अपना अकाउंट शुरू किया। यह कदम तब उठाया गया जब अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य और वैधता पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। इस लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग ऐप पर अपनी पहली पोस्ट में वाइट हाउस ने 27 सेकंड का एक क्लिप साझा किया और कैप्शन में लिखा कि अमेरिका हम वापस आ गए हैं। **क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है?** वीडियो पोस्ट करने के कुछ ही घंटों में अकाउंट पर पांच हजार से अधिक फॉलोअर्स हो गए। दूसरी ओर टिकटॉक पर डोनाल्ड ट्रंप के निजी अकाउंट पर 110.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

उनकी आखिरी पोस्ट 5 नवंबर, 2024 को की गई थी, जिस दिन अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है? बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप का टिकटॉक के साथ प्रेम और नफरत का रिश्ता है। नफरत की वजह यह है कि टिकटॉक एक चीनी कंपनी है, और ट्रंप नहीं चाहते कि अमेरिकी नागरिकों का डेटा चीन जाए। ट्रंप ने एक कानून बनाया है। इस कानून के तहत टिकटॉक को अमेरिका में चलने के लिए किसी गैर-चीनी कंपनी को बेचना होगा, वरना उस पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। **टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा** हालांकि, अभी तक टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा, फिर भी यह अमेरिका में चल रहा है। टिकटॉक का स्वामित्व चीन की इंटरनेट कंपनी बाइटडांस के पास है। राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर टिकटॉक की बिक्री या प्रतिबंध से संबंधित एक कानून 20 जनवरी को लागू होने वाला था, उसी दिन ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला था। लेकिन ट्रंप को सोशल मीडिया से गहरा लगाव है। उनका 2024 का चुनावी अभियान सोशल मीडिया पर काफी हद तक निर्भर था। **सितंबर में समाप्त होने वाली है राहत** उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह टिकटॉक के शौकीन हैं और उन्होंने अमेरिका में इस पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया को रोक दिया। जून में ट्रंप ने टिकटॉक के लिए गैर-चीनी खरीदार खोजने या अमेरिका में प्रतिबंधित होने की समय सीमा को 90 दिनों के लिए बढ़ा दिया। यह राहत सितंबर में समाप्त होने वाली है।

अफगानिस्तान में बस की हुई ट्रक और मोटर-साइकिल से भीषण टक्कर, 71 लोगों की मौत

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में मंगलवार को एक दिल दहलाने वाला रोड एक्सीडेंट हुआ। यह भीषण रोड एक्सीडेंट उस समय हुआ जब ईरान से लौटे प्रवासी अफगान नागरिकों को ले जा रही एक यात्री बस की एक मोटरसाइकिल और फिर एक फ्यूल से भरे ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। यह रोड एक्सीडेंट हेरात शहर के बाहर गुजारा जिले में हुआ। बस में सवार यात्री हाल ही में ईरान से निर्वासित किए गए अफगान नागरिक थे, जो इस्लाम कला बॉर्डर क्रॉसिंग से काबुल की ओर जा रहे थे। **71 लोगों की मौत-** इस भीषण रोड एक्सीडेंट में 71 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 बच्चे भी शामिल थे। मरने वालों में ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार 2-2 लोग भी शामिल थे। **हादसे का कारण और आग लगना-** प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता अहमदुल्लाह मुत्ताकी ने बताया कि हादसा हेरात शहर के बाहर गुजारा जिले में बस की अत्यधिक गति और लापरवाही के कारण हुआ. बस पहले मोटरसाइकिल से टकराई और फिर ईंधन से भरे ट्रक से टकराने के बाद आग लग गई. पुलिस ने बताया कि बस में सवार सभी यात्री प्रवासी थे जिन्होंने इस्लाम कला बॉर्डर से यात्रा शुरू की थी. तीन यात्री हादसे से जीवित बचे, जबकि ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार चार लोग भी मृतकों में शामिल हैं.स्न्नक्के एक पत्रकार ने हादसे के बाद सड़क पर जलती हुई बस और अन्य दो वाहनों के क्षतिग्रस्त अवशेष देखे।**अफगानिस्तान में सड़क हादसों की बढ़ती समस्या-** बीबीसी के अनुसार, अफगानिस्तान में सड़क हादसे आम हैं. इसके मुख्य कारण दशकों के संघर्ष के बाद खराब सड़कें, हाईवे पर खतरनाक ड्राइविंग और नियमों का कड़ाई से पालन न होना हैं. पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय अफगानिस्तान में ईंधन टैंकर और ट्रक से जुड़े दो हादसों में कम से कम 52 लोग मारे गए थे. **ईरान से लौट रहे प्रवासी और संकट-** हाल के महीनों में ईरान की दबाव नीति के कारण लाखों अफगानी प्रवासी देश लौट रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के अनुसार, इस साल अब तक ईरान और पाकिस्तान से 1.6 मिलियन से अधिक लोग लौट चुके हैं. ईरान में प्रवासियों के खिलाफ बढ़ती नफरत और भेदभाव ने हालात को और जटिल बना दिया है।

नेपाल: सत्तारूढ़ गठबंधन की उप-सभापति को हटाने की तैयारी शुरू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल (नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी- एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) का नेपाली सत्तारूढ़ गठबंधन उपसभापति इंदिरा राणा मगर को हटाने के लिए एक और प्रयास करने की तैयारी में है।

दोनों दलों के नेताओं के अनुसार, उपसभापति मगर को हटाने के लिए आपात बैठक बुलाई गई है। पीएम ओली ने ने भी उन्हें कमजोर और पक्षपातपूर्ण प्रदर्शन वाला बताया है। सत्तारूढ़ गठबंधन ने उपसभापति को पद से हटाने के लिए हस्ताक्षर संग्रह अभियान भी शुरू कर दिया है। सत्तापक्ष के कुछ सांसदों ने पहले ही हस्ताक्षर कर उन्हें पद से हटाने के लिए अपना समर्थन जताया है।

संविधान के अनुसार उपसभापति को पद से हटाने के लिए दो तिहाई बहुमत जरूरी होता है। ऐसे में गठबंधन के नेता इंदिरा राणा को हटाने के लिए छोटे दलों के साथ भी परामर्श कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा में फिलहाल 274 सदस्य हैं और सत्तारूढ़ गठबंधन को 183 वोटों की जरूरत है।

व्हाइट हाउस ने बताया राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर क्यों लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन की जंग में अमेरिकी सैनिकों को सीधे मैदान में नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी देने के दूसरे रास्तों पर विचार कर रहा है, जिनमें हवाई मदद भी शामिल हो सकती है।

सैनिक नहीं जाएंगे, लेकिन मदद जारी रहेगी- कैरोलिन लेविट ने प्रेस ब्रीफिंग में आगे कहा, %राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि अमेरिकी सैनिक यूक्रेन की जमीन पर कदम नहीं रखेंगे। लेकिन अमेरिका यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर अन्य सुरक्षा विकल्प उपलब्ध कराने पर विचार करेगा। सुरक्षा गारंटी स्थायी शांति के लिए बेहद जरूरी हैं और इसी दिशा में राष्ट्रपति ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को काम करने का निर्देश दिया है। **हवाई सुरक्षा विकल्प भी खुले- कैरोलिन लेविट-** वहीं जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या हवाई मदद भी सुरक्षा गारंटी का हिस्सा हो सकती है, इस पर कैरोलिन लेविट ने कहा, %यह विकल्प भी खुला है। मैं कुछ खारिज नहीं करूंगी। राष्ट्रपति के पास तमाम सैन्य विकल्प मौजूद हैं। लेकिन एक बात तय है- अमेरिकी सैनिक जमीनी स्तर पर यूक्रेन में नहीं जाएंगे।

नाटो से हथियार खरीदेगा यूक्रेन- इस दौरान पत्रकारों ने जब अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे की चिंता जताई, तो व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने कहा कि ट्रंप ने नया फार्मूला निकाला है। राष्ट्रपति अमेरिकी करदाताओं का बोझ नहीं बढ़ाना चाहते। इसलिए उन्होंने समाधान दिया कि नाटो अमेरिकी हथियार खरीदे और उसे यूक्रेन को उपलब्ध कराए। अमेरिकी हथियार दुनिया में सबसे बेहतरीन हैं। इसी से यूक्रेन की जरूरत पूरी की जाएगी। **ट्रंप-पूतिन-जेलेंस्की संवाद की कोशिश-**कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत शुरू कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की और दर्जनों बार राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की। उनकी कोशिश से दोनों देशों के बीच वर्षों बाद बातचीत शुरू हुई है। ट्रंप का मानना है कि कोई भी शांति समझौता तभी सफल होगा, जब दोनों देशों को थोड़ा-थोड़ा त्याग करना पड़े। %राष्ट्रपति हमेशा कहते हैं कि अच्छी डील में दोनों पक्ष थोड़े असंतुष्ट रहते हैं। यही स्थायी समाधान का रास्ता है।

भारत पर भी लगाए गए ट्रंप के प्रतिबंध- इस मौके पर कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर भी टैरिफ बढ़ाया है। उन्होंने कहा, %राष्ट्रपति ने भारत पर 25त्न अतिरिक्त शुल्क लगाकर कुल 50त्न टैरिफ कर दिया है। इसका मकसद रूस पर द्वितीयक दबाव डालना है, ताकि वह युद्ध रोकने पर मजबूर हो। **अगर ट्रंप पहले होते तो युद्ध शुरू ही न होता-**इस दौरान कैरोलिन लेविट ने दोहराया कि राष्ट्रपति ट्रंप मानते हैं कि अगर वे पहले से सत्ता में होते तो रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू ही नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि खुद पुतिन ने भी यह बात स्वीकार की है। व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप यूरोपीय नेताओं और नाटो से लगातार चर्चा कर रहे हैं ताकि युद्ध खत्म हो और स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सके।

भारत-पाकिस्तान शांति का दावा भी किया-वहीं राष्ट्रपति ट्रंप की तरह कैरोलिन लेविट ने प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि ट्रंप ने पहले भी कई जगह शांति स्थापित करवाई है। उन्होंने ये भी दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौता कराया था, जो परमाणु युद्ध को रोकने में मददगार साबित हुआ।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गे डेटिंग ऐप से रत्नकला कलाकार को बनाया शिकार

समलैंगिक संबंध का झांसा देकर युवक से रुपए,मोबाइल, बाइक लूटी जान से मारने की धमकी, दो गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा इलाके में गे डेटिंग ऐप के जरिए संपर्क में आए तीन युवकों ने एक रत्नकला कलाकार को मिलने बुलाकर उससे नकद रुपए, मोबाइल और बाइक लूट ली। आरोपियों ने चाकू की नोक पर युवक के खाते से 5,000 रुपए भी ट्रांसफर करवा लिए थे। इस गंभीर वारदात पर वराछा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों अर्शित साखंट और दीपेन राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार, सूरत के कतारगाम निवासी 29 वर्षीय रत्नकला कलाकार गे ऐप के जरिए अनजान युवकों से संपर्क में आया। 18 अगस्त 2025 की रात करीब 8:30 से 9:30 बजे के बीच आरोपियों ने उसे वराछा मारुति चौक के पास स्थित गोपाल शूज़ के पास बुलाया। जब वह वहां पहुँचा, तो आरोपियों ने उसे चाकू दिखाकर डराया और एक मकान की चौथी मंजिल पर ले गए। वहाँ उससे 50,000 रुपए की मांग की गई।

पैसे न देने पर आरोपियों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी और उसकी पिटाई भी की। घबराए युवक से आरोपियों ने उसके ही मोबाइल का इस्तेमाल कर गूगल पे से 5,000 रुपए ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद उसका 8,000 रुपए का मोबाइल और करीब 80,000 रुपए की कीमत की होंडा बाइक छीन ली। जाते-जाते आरोपियों ने धमकी दी - "पैसे का इंतजाम करके फोन और बाइक ले जाना, वरना जान से मार देंगे।"

पीड़ित युवक ने वराछा पुलिस स्टेशन में तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घंटों में ही दो आरोपियों - अर्शित नाजाभाई साखंट और दीपेन हितेशभाई राठौड़ - को पकड़ लिया। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। पकड़े गए दोनों आरोपी पहले से अपराधी प्रवृत्ति के हैं। दीपेन के खिलाफ हत्या का केस भी दर्ज है।

15 अगस्त को हुई थी हत्या

सोते समय रजा राठौड़ पर रीडे अपराधी आकाश ने चाकू से वार कर की हत्या

गिरफ्तारी के बाद किया गया री-कंस्ट्रक्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के महिधरपुरा इलाके में 15 अगस्त को हुई हत्या के आरोपी राहुल उर्फ आकाश आनंद सोनवणे को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब 18 वर्षीय युवक राजा केतनभाई राठौड़ की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। महिधरपुरा पुलिस ने तेज़ी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया और गिरफ्तारी के बाद घटनास्थल पर ले जाकर पूरे मामले का री-कंस्ट्रक्शन कराया।

मिली जानकारी के अनुसार, इस हत्या के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। 15 अगस्त की सुबह करीब 2:30 बजे सहारा दरवाजा, उमरवाड़ा टेकरी रेलवे नाले के पास ओवरब्रिज के नीचे यह वारदात हुई थी। मृतक राजा केतनभाई राठौड़ अपने दो दोस्तों के साथ वहीं सो रहा था। उसी दौरान राहुल उर्फ आकाश आनंद सोनवणे नामक शख्स ने उस पर हमला कर दिया। उसने चाकू से राजा के गले पर दो वार किए और उसका गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि यह आरोपी आकाश सोनवणे एक रीडा अपराधी है। उसके खिलाफ पहले से ही चार-पांच मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आकाश सोनवणे को गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ की। सिर्फ एक मामूली विवाद में युवक राजा की हत्या कर देने पर पुलिस ने तुरंत कड़ा कदम उठाया।

हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी के बाद महिधरपुरा पुलिस आरोपी आकाश सोनवणे को उस जगह ले गई जहाँ हत्या हुई थी और पंचनामा करके पूरे घटनाक्रम को दोहराया। इस कार्रवाई का उद्देश्य अपराध की गंभीरता और आरोपी के इरादों को स्पष्ट करना था।

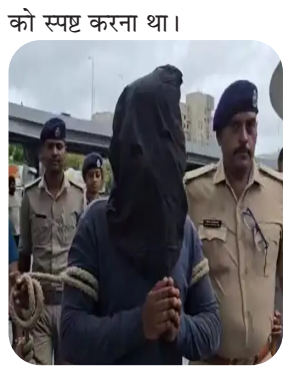

18 वर्षीय राजा सूरत की सरदार मार्केट में दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार की आर्थिक मदद करता था। घटना की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। राजा को गंभीर हालत में स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वापी में गणेश महोत्सव के दौरान डीजे पर अभद्र गीत नहीं बजाने की चेतावनी

पुलिस की आयोजकों के साथ बैठक में प्रत्येक मंडप में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य लगाने के निर्देश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी क्षेत्र में गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने वाले आयोजकों के साथ मंगलवार को डीवाईएसपी ने बैठक आयोजित कर उन्हें विभिन्न गाइडलाइन की जानकारी दी। इसमें डीजे पर अभद्र गीत न बजाने का विशेष अनुरोध किया गया।

वापी क्षेत्र में वर्षों से गणेशजी की स्थापना करने वाले अलग-अलग मंडलों के आयोजकों के साथ मंगलवार को वापी विभाग के डीवाईएसपी बी. एन. दवे ने राजस्थान भवन में बैठक की। इसमें डुंगरा, जीआईडीसी और वापी टाउन के पीआई भी मौजूद रहे।

तीनों क्षेत्र के आयोजकों के साथ हुई बैठक में पुलिस की ओर से कहा गया कि स्थापना के दौरान डीजे पर अभद्र गीत न बजाएं। इसके साथ ही प्रत्येक मंडप में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाएं और मंडल के सभी वॉलंटियर्स को आईकार्ड दें। साथ ही, हर साल जिस मार्ग से गणेश विसर्जन होता है उसी मार्ग का पालन करने और उसे न बदलने का भी निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान आयोजकों ने पुलिस से अनुरोध किया कि खराब रास्तों और मार्ग पर लटकते बिजली के तारों के कारण विसर्जन जुलूस को जल्दी आगे बढ़ाने के लिए दबाव न बनाया जाए। दूसरी ओर, वापी-वापी वलसाड जिले में गणपति महोत्सव की जोरदार तैयारियां चल रही हैं।

सार्वजनिक स्थलों और सोसाइटी में मंडप और सजावट का काम युवाओं द्वारा किया जा रहा है। बड़े आयोजकों द्वारा श्रीजी की मूर्तियां अब से ही लाना शुरू कर दिया गया है। अब श्रीजी महोत्सव के लिए गिनती के दिन ही शेष रह गए हैं।

अंकलेश्वर में वेस्ट वाटर मैनेजमेंट पर सेमिनार

500 उद्योग प्रतिनिधियों की मौजूदगी में GPCB अधिकारी ने किया उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अंकलेश्वर एनवायरो प्रिज़र्वेशन सोसाइटी द्वारा दो दिवसीय पर्यावरणीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। जीपीसीबी (GPCB) की रीजनल ऑफिसर जिज्ञासा ओझा ने सेमिनार का उद्घाटन किया।

वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट की एडवांस टेक्नोलॉजी पर केंद्रित इस सेमिनार में लगभग 500 उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेमिनार के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा उद्योगों में वेस्ट वाटर मैनेजमेंट, वेस्ट टू रिकवरी और पर्यावरण संरक्षण के विषय में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम में अंकलेश्वर उद्योग मंडल के अध्यक्ष विमल जवा, नोटिफाइड चेयरमैन अमुलख पटेल उपस्थित रहे। इसके अलावा उद्योग अग्रणी एन.के. नावडिया, अशोक पंजवानी, एईपीएस (AEPS) के चेयरमैन अतुल बुच और डीपीएमसी (DPMC) के को-ऑर्डिनेटर विजय आसार समेत अन्य प्रमुख लोग भी मौजूद रहे।

छाती में घुसी कैंची के साथ युवक अस्पताल भागा

दोस्तों के साथ मस्ती करते समय युवक का पैर फिसला, हाथ में पकड़ी कैंची शरीर में धँस गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सिविल अस्पताल में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया, जिसमें एक युवक अपनी छाती में कैंची घुस जाने से गंभीर हालत में इलाज के लिए पहुंचा। इस घटना से डॉक्टर और अस्पताल का स्टाफ दंग रह गया। हालांकि डॉक्टरों ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए बिना किसी और अंग को नुकसान पहुँचाए कैंची को बाहर निकाली और तीन टांके लगाकर युवक की जान बचा ली। मिली जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश मूल के 27 वर्षीय अखिल सलीम खान सूरत के पांडेसरा इलाके में चीकूवाड़ी में सिलाई का काम करते हैं। वह अपने भाई और चचेरे भाइयों के साथ रहकर सिलाई का काम करता है। घटना वाले दिन अखिल अपने कारीगर दोस्तों के साथ मजाक-मस्ती कर रहा था और कैंची से कपड़े की कटिंग कर रहा था। तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर पड़ा। उसी दौरान हाथ में पकड़ी कैंची सीधा उसकी छाती में घुस गई। घटना के बाद अखिल के भाई और अन्य साथी कारीगरों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस से उसे सूरत सिविल अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल पहुंचते ही मौजूद डॉक्टर और स्टाफ उसकी छाती में घुसी कैंची देखकर हैरान रह गए। स्थिति की गंभीरता देखते हुए डॉक्टरों ने तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने युवक की छाती से कैंची बाहर निकाली और उसकी जान बचा ली। अखिल की छाती में तीन से अधिक टांके लगे हैं। फिलहाल वह सिविल अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है।

53 लाख की लूट का आरोपी चेन्नई से गिरफ्तार

अहमदाबाद जेल से फरार इश्वरसिंह सब्जी मंडी में किराना दुकान चला रहा था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी एलसीबी पुलिस ने अहमदाबाद की आंगड़िया फर्म में 53 लाख की लूट के आरोपी इश्वरसिंह चौहान को चेन्नई से गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2023 में अहमदाबाद केंद्रीय जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा होने के बाद फरार हो गया था।

पुलिस ने मुखबिरों और तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपी का लोकेशन खोज निकाला। इश्वरसिंह चेन्नई के पेरियार सब्जी मंडी में किराना दुकान चला रहा था। उसने और उसकी टोली ने अहमदाबाद की आंगड़िया फर्म में हथियार दिखाकर लूट की थी।

एलसीबी टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर अहमदाबाद केंद्रीय जेल के हवाले कर दिया है। एक साल पहले इसी अपराध के एक अन्य आरोपी प्रविणसिंह भायल को भी नवसारी एलसीबी पुलिस ने ट्रेन से पकड़कर जेल भेजा था।

जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, म्युनिसिपल कमिश्नर शालिनी अग्रवाल और पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत की उपस्थिति में प्रेस कॉन्फ्रेंस

29 अगस्त -राष्ट्रीय खेल दिवस पर विविध कार्यक्रम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी ने कहा कि हॉकी के जादूगर और पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इसी अवसर पर सूरत जिले की स्कूलों और कॉलेजों में निबंध, चित्रकला और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

* 50 मीटर दौड़, बीन बैग बैलेंस, नींबू-चम्मच रेस, थ्री-लेग रेस, मिनी फुटबॉल, हॉकी मैच, रस्साकशी, कूद प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर, फन रेस, टेनिस बॉल क्रिकेट, लंगड़ी इत्यादि खेल आयोजित होंगे।

* 29 अगस्त को वेसु स्थित वीर नर्मद यूनिवर्सिटी में जिला स्तरीय एथलेटिक्स स्पर्धा, कठोर की गलियारा हाईस्कूल में कुश्ती स्पर्धा और कामरेज की नवी पारडी स्थित विद्यालय में महिला जूडो स्पर्धा आयोजित होगी।

* 30 अगस्त को जीवनभारती विद्यालय में स्पोर्ट्स जागरूकता सेमिनार और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान होगा। सभी कार्यक्रमों में फिट इंडिया शपथ दिलाई जाएगी।

पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत ने बताया कि 30 अगस्त को पुलिस विभाग की ओर से भी खेल प्रतियोगिताएं होंगी।

* 31 अगस्त को संडे ऑन सायकल थीम पर मेगा साइक्लोथॉन रैली निकाली जाएगी।

* साथ ही कबड्डी, खो-खो, रस्साकशी जैसे देसी खेलों और बैडमिंटन व टेनिस जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा।

29 अगस्त - राष्ट्रीय खेल दिवस पर स्कूल-कॉलेजों में निबंध, चित्रकला व खेल प्रतियोगिताएं

सूरत शहर के गणेश पंडालों को लाखों का इनाम जीतने का मौका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, राज्य में सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और लोक-संस्कृति व कला को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से गांधीनगर की "युवक सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियाँ कार्यालय" की ओर से गणेश उत्सव के दौरान श्रेष्ठ श्री गणेश पंडाल प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा और राजकोट समेत 29 जिलों में होगी।

प्रथम स्थान को 5 लाख
द्वितीय स्थान को 3 लाख
तृतीय स्थान को 1.50 लाख
साथ ही 5 पंडालों को प्रोत्साहन पुरस्कार स्वरूप 1-1 लाख दिए जाएंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, म्युनिसिपल कमिश्नर शालिनी अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत, जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल और जिला पुलिस प्रमुख हितेश जोयसार उपस्थित थे।

म्युनिसिपल कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने बताया कि यह प्रतियोगिता विशेष थीम पर आधारित होगी। इसमें पंडाल की सजावट, कलात्मक आकर्षण, सामाजिक संदेश, इको-फ्रेंडली सामग्री का उपयोग, "ऑपरेशन सिंदूर" का गौरवशाली इतिहास, देशभक्ति, "वोकल फॉर लोकल" और पंडाल की लोकेशन जैसी बातों को ध्यान में रखा जाएगा।

राज्य सरकार द्वारा श्रेष्ठ श्री गणेश पंडाल प्रतियोगिता-2025" का आयोजन : यूनिक और सामाजिक प्रेरक संदेश देने वाले श्रेष्ठ तीन गणेश पंडालों को मिलेगा पुरस्कार

पहला स्थान पाने वाले गणेश पंडाल को 5 लाख, दूसरे स्थान को 3 लाख और तीसरे स्थान को 1.50 लाख का पुरस्कार मिलेगा।

जिन गणेश पंडालों में "ऑपरेशन सिंदूर" और "स्वदेशी वस्तुओं" पर आधारित सजावट की जाएगी, उन्हें विशेष प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रतियोगिता का उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक भावना को बढ़ावा देना और लोक कला को प्रोत्साहित करना है। सूरत के सभी गणेश मंडलों से इसमें भाग लेने का आह्वान किया गया है।

गणेश पंडाल प्रतिनिधि जिला युवा विकास अधिकारी कार्यालय (नानपुरा, पुरानी सिविल कोर्ट बिल्डिंग, बहुमाली भवन कैंपस)से फॉर्म लेकर वहीं जमा कर सकते हैं।